"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 13] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 26 मार्च 2004—चैत्र 6, शक 1926

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 10 मार्च 2004

क्रमांक ई 1-2/2004/1/2.—एतद्द्वारा इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 9-3-2004 में आंशिक संशोधन करते हुये श्री एस. के. कुजूर, भा.प्र.से. (1986) सचिव, छ. ग. शासन, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर का अतिरिक्त प्रभार अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक सौंपा जाता है.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2004.

रायपुर, दिनांक 10 मार्च 2004

क्रमांक एफ 2-44/2003/1-8.—इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 6-1-2004 जिसके द्वारा श्री अमन कुमार सिंह (भारतीय राजस्व सेवा) की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर लेते हुए उप सचिव, मुख्य मंत्री सचिवालय पदस्थ किया गया था, की पैरा-1 में "उप सचिव" शब्द को विलोपित करते हुए निम्नानुसार वाक्यांश मूल आदेश के दिनांक से प्रतिस्थापित किया जाता है :—

"वेतनमान रु. 12,000-375-16,500 में संयुक्त सचिव"

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. के. मिश्र, मुख्य सचिव.

रायपुर, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक 178/146/2004/1-8.—सुश्री ओमेगा युनाईस टोप्पो, उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग को दिनांक 19-4-2004 से 30-4-2004 तक कुल 12 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. अवकाश से लौटने पर सुश्री टोप्पो को पुनः उप-सचिव, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग के पद पर पदस्थ किया जाता है.

3. अवकाश अवधि में सुश्री टोप्पो को वेतन एवं भत्ता उसी प्रकार देय होगा जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलता था.

4. प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री टोप्पो यदि अवकाश पर नहीं जातीं तो अपने पद पर कार्य करती रहतीं.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पंकज द्विवेदी, प्रमुख सचिव.

रायपुर दिनांक 6 मार्च 2004

शुद्धि-पत्र

क्रमांक एफ 1-1/2003/1/5.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22 दिसम्बर, 2003 के द्वारा परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट एक्ट) 1881 के अंतर्गत सन् 2004 के लिए संपूर्ण छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश घोषित किए गए हैं. उक्त अधिसूचना का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 22 दिसम्बर, 2003 में किया गया है. अधिसूचना में अंकित टीप को अब निम्नानुसार पढ़ा जाय :—

"टीप :—

होली	7 मार्च	फाल्गुन 17, 1925
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त	श्रावण 24, 1926

ये दिन रविवार होने के कारण अलग से छुट्टी के दिन घोषित नहीं किए गये हैं."

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. सी. सूर्य, उप-सचिव.

खाद्य, नागरिक् आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 12 मार्च 2004

क्रमांक एफ 5-12/खाद्य/2004/29.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 30 अगस्त, 2003 जिसके द्वारा केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (1986 की संख्या 68) की धारा 7 की उपधारा (1) के तहत छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद् का गठन किया गया था, राज्य शासन एतद्द्वारा उक्त परिषद् को तत्काल प्रभाव से भंग करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बी. एस. अनन्त, संयुक्त सचिव.

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 28 फरवरी 2004

क्रमांक 306/एफ-9-6-II/04/34-2/04.—राज्य शासन एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के आदेश क्रमांक 1761/एफ-8-1/03/34-2/03, रायपुर, दिनांक 21-8-2003 जिसके द्वारा भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, पेयजल आपूर्ति विभाग के पत्र क्रमांक डब्ल्यू-11037/51/2002-टी.एम.-IV (पीटी-I), दिनांक 16-6-2003 के साथ प्रेषित मार्गदर्शिका अनुसार "राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (SWSM)" का गठन किया गया था, में सामान्य प्रशासन विभाग की सहमति से निम्नानुसार संशोधन करता है :—

1.	मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन	अध्यक्ष
2.	सचिव, छ. ग. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग	सदस्य
3.	सचिव, छ. ग. शासन, स्वास्थ्य विभाग	सदस्य
4.	सचिव, छ. ग. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग	सदस्य
5.	सचिव, छ. ग. शासन, अजा/अजजा विकास एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग.	सदस्य
6.	सचिव, छ. ग. शासन, सूचना एवं जन संपर्क	सदस्य
7.	प्रतिनिधि, भारत सरकार, पेयजल आपूर्ति विभाग	सदस्य
8.	प्रमुख अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग	सदस्य
9.	विशेष सचिव, छ. ग. शासन, वित्त विभाग	सदस्य
10.	विशेष सचिव, छ. ग. शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग	सदस्य
11.	विशेष सचिव, छ. ग. शासन, योजना विभाग	सदस्य
12.	राज्य-सूचना अधिकारी, एन. आई. सी.	सदस्य
13.	प्रतिनिधि, केन्द्रीय भू-जल बोर्ड	सदस्य
14.	प्रतिनिधि, यूनीसेफ भोपाल	सदस्य
15.	प्रमुख सचिव/सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग	सदस्य सचिव

उपरोक्तानुसार गठित समिति के निम्नानुसार कार्य होंगे :—

i. स्वजलधारा योजनाओं पर नीतिगत मार्गदर्शन देना.

ii. भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति विभाग के साथ राज्य द्वारा हस्ताक्षरित MOU अनुसार क्रियान्वयन की समय-समय पर समीक्षा करना.

iii. जलप्रदाय एवं स्वच्छता कार्यक्रम से संबंधित तथा भारत सरकार से पूर्ण/आंशिक सहायतित अथवा बाहरी वित्तीय एजेंसियों (ए.आर.डब्ल्यू.एस.पी., सब मिशन, संपूर्ण स्वच्छता अभियान, शामिल करते हुए) से सहायतित योजनाओं पर चर्चा एवं अनुमोदन करना.

iv. जलप्रदाय एवं स्वच्छता क्रियाकलापों तथा विशेष परियोजनाओं (यदि कोई हो तो) का कन्वर्जेन्स (Convergence) कराना.

v. राज्य के विभिन्न विभागों एवं अन्य सुसंगत गतिविधियों में भागीदार व्यक्तियों/संस्था से समन्वय.

vi. पेयजल एवं स्वच्छता की विभिन्न परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति तथा प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अनुश्रवण.

vii. स्वजलधारा परियोजनाओं में किये गये निर्माण की गुणवत्ता का स्वतंत्र रूप से प्रमाणीकरण करने की व्यवस्था करना.

viii. पेयजल एवं स्वच्छता दोनों योजनाओं कार्यों के अधीन संचार क्षमता विकास कार्यक्रमों की समन्वित करते हुए लागू करना.

उपरोक्तानुसार गठित समिति कम से कम एक बैठक हर तीन महीने में एवं चार बैठकें हर वर्ष करेगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुनिल कुमार, प्रमुख सचिव.

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 7 फरवरी 2004

संशोधन

क्रमांक एफ 11-9/2003 (6)/11.—राज्य शासन एतद्द्वारा वृहद् औद्योगिक परियोजनाओं अर्थात् जिसकी परियोजना लागत रुपये 100 (एक सौ) करोड़ या उससे अधिक है को भू-प्रब्याजि में 50 प्रतिशत रियायत संबंधी इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19 सितम्बर 2003 की शर्तों की कण्डिका 2 एवं 5 में निम्नानुसार संशोधन करता है :—

कण्डिका-2 इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु इच्छुक इकाई को छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमि. के साथ एम.ओ.यू. के बजाय करार (एग्रीमेंट) निष्पादित करना होगा.

कण्डिका-5 योजना का लाभ लेने वाली इकाई को भू-आवंटन के समय भू-प्रब्याजि की संपूर्ण राशि छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेन्ट कार्पोरेशन (निगम में) जमा करनी होगी अथवा 50% राशि (निगम में) जमा कराते हुए 50% प्रब्याजि के बराबर राशि की बैंक गारंटी निगम के पक्ष में देनी होगी. इकाई द्वारा करार के अनुसार निर्धारित शर्तों की नियत समय-सीमा में पूर्ति कर लेने पर जमा की भू-प्रब्याजि की 50% राशि 50% राशि के बराबर बैंक गारण्टी निगम द्वारा इकाई को लौटाई जावेगी परन्तु छूट की शर्तों की पूर्ति न करने की स्थिति में निगम को यह अधिकार होगा कि प्रब्याजि की 50% राशि/बैंक गारण्टी की राशि अपने पक्ष में अभिसात कर ले.

2. शर्तों की शेष कण्डिकायें यथावत् रहेंगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अभय कुमार मिश्रा, अवर सचिव.

ऊर्जा विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 31 जनवरी 2004

क्रमांक 103/216/ऊर्जा/03.—छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत अधिनियम 2003 के प्रभावशील हो जाने के बाद भी इस अधिनियम की धारा 172 (ए) तथा (सी) के प्रावधान के अनुसार अंकित अवधि तक विद्युत प्रदाय अधिनियम 1948 के अंतर्गत गठित छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल कार्यरत रहेगा. इस स्थिति के प्रकाश में राज्य शासन श्री अजय सिंह, सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, ऊर्जा विभाग को अन्य आदेश तक अपनी मूल पदस्थापना के साथ-साथ अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल नियुक्त करता है. उनके कार्यभार ग्रहण करने पर श्री सुयोग्य कुमार मिश्र, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बी. एल. बंजारे, उप-सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 25 नवम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-70/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 (3) के अधीन गुरूकुल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा 1 से 10 ''प्रथम अध्यादेशों'' को अनुमोदित करती है.

ये अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

ORDINANCE No.1

Admission of Students to the University and their enrolment (Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance unless there is anything contrary to Statute and the Adhiniyam:
   (a) "Qualifying examination" means an examination passing of which makes a students eligible for admission to a particular course of study leading to a Bachelor, Post-Graduate or Research Degree or Diploma conferrable by the University.
   (b) "Equivalent examination" means an examination conducted by
   i) Any recognized Board of Higher Secondary Education or
   ii) Any Indian or Foreign University recognized by this University as equivalent to its corresponding examination.

2. A student seeking admission to the University Teaching Department or Institutes recognized by the University as its center shall on or before the date prescribed for submission of application for admission, shall submit the duly filled up application along with the fee of submission to the University or the Institute as the case may be.

3. The application of admission shall be accompanied by (i) character certificate from the Principal of School / College last attended (ii) Evidence of Birth date (iii) true copy of the marks statement of qualifying examination (iv) certificate of caste where ever required (v) Draft for the amount prescribed for the course.

4. The applicant shall also provide an undertaking that on being admitted he/ she shall furnish the transfer certificate within 10 days of admission and Migration certificate shall be submitted within 2 months of the admission failing which the admission shall be liable to be cancelled.

5. No student who has passed a part of any degree or postgraduate examination from another University shall be admitted to next higher class for such examination in any institutional center without the approval of Vice-Chancellor.

6. No person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing at the examination from any other University / Institution shall be admitted to any course of study in this University and its institutions/ center during the period of rustication or disqualification.

7. The admission of the students shall be completed by 31st August every year.
Provided that where 31st August is a holiday the next working day will be the last date for admission.
Provided further that the Vice -Chancellor shall have the power to grant admission in cases of genuine hardship beyond the last date of admission as given above on the clear understanding that the attendance of all such students shall be counted from the date of the commencement of the course.

8. The student shall be enrolled as a member of the University as soon as he/she is admitted and pays all the fee together with the prescribed fee for enrolment and submits migration certificate when it is asked for.
Provided that a student admitted after the commencement of the session shall be required to pay all fees and dues from the beginning of the academic session.

9. The reservation of seats at each institution / center for SC/ ST/ OBC and other categories shall be as provided in Statute- 11.

ORDINANCE No. 2

Course of study to be laid for all degrees, diploma and certificates (Section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Board of study for every subject or group of subject as may be decided by the Academic Council.

2. (1) Each Board shall consist of:
   (i) Professor (s) of the University Teaching Department(s) of the subject or group of subjects for which the Board is constituted.
   (ii) One Reader of the University Teaching department of the subject or group of subjects for which the Board is constituted to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in order of seniority.
   (iii) Two teachers teaching the said subject(s) at the centers of the University up to post - graduate level to be nominated by the Vice Chancellor by rotation according to seniority.
   Provided that if the Board is constituted for a group of subjects in nominating members

under (ii) and (iii) above case shall be taken to nominate such persons that all the subjects of the group are represented.

(iv) The Board shall co-opt two experts of the subject. In case where the board is constituted for a group of subjects the board shall co-opt one expert from each subject and then the number of co-opted member shall be equal to the number subjects for which the board is constituted.

(2) The Chairman of the Board shall be nominated by the Vice-Chancellor from clause 2 (1) (i) of the Ordinance. Provided that if there is no member under clause 2(1) the Chairman shall be nominated from clause (1) (ii) and if a member under this clause is also not available the Chairman shall be nominated from members under clause 2(1) (iii) of the Ordinance.

(3) The term of the Board shall be three years.

3. Each Board shall lay down the detailed curriculum for the subject leading to a certificate, diploma, graduate degree or post-graduate degree.

4. It shall also identify the standard book_ and other materials which may be consulted for preparing the courses laid down for each subject leading to certificate diploma, graduate degree and post-graduate degree.

5. The Academic Council shall decide the subjects to be undertaken for various certificates, diplomas and degrees by the University.

ORDINANCE No.3

The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions.

(Section 27 (1) (c) of the Adhiniyam)

...

1. The candidate after passing the examination prescribed for a particular certificate, diploma and degree shall be eligible for the award of certificate, diploma and degree respectively.

2. The Registrar shall place the names of all candidates who have been examined and found qualified for the award of certificate, diploma and degree before the Academic Council soon after the declaration of the results. On being approved by the Academic Council the certificates and Diplomas shall be issued to the respective candidates by the Registrar.

3. The Certificates and Diplomas shall be signed by the Registrar.

4. The approval of the award of respective degrees made by the Academic Council shall be placed before the Board of Management for its approval. On being approved by the Board of Management the degree shall be awarded to the candidate in the convocation: Provided that if the candidate is in urgent need of the Degree and the convocation is likely to be delayed the degree can be given to him! her by the Vic-Chancellor on payments of Rs. *200/-* as the fee for early award of degree. Provided also that no degree shall be given to any candidate before approval by the Board of Management.

5. Degree / Diplomas conferred by the University under different faculties shall be as follows :

COURSES & NAME OF THE FACULTY	EXPANDED NOMENCLATURE OF THE COURSE
COMPUTER APPLICATION & IT	
D.C.A.	Diploma in Computer Application
P.G.D.C.A.	Post Graduate Diploma in computer Application
B.C.A.	Bachelor of Computer Application
B.Com. (Off. Mngmnt & Comp.)	Bachelor of Commerce (Office Management and Computer)
B.Sc.(IT)	Bachelor of Science (Information Technology)
B.Sc.(Comp.Sc.)	Bachelor of Science (Computer Science)
M.C.A.	Master of Computer of Application
M.Sc.(IT)	Master of Science (Information Technology)
M.Sc.(Comp.Sc.)	Master of Science (Computer Science)
ARTS, JOURNALISM & SOCIAL SCIENCE	
B.A. (Mass Comm.)	Bachelor of Arts (Mass Communication)
B.A. (Social Work)	Bachelor of Arts (Social Work)
B.Journalism	Bachelor of Journalism
B.S.W.	Bachelor of Social Work
M.A. (Mass comm.)	Master of Arts (Mass Communication)
M.A. (Pub. Admin)	Master of Arts (Public Administration)
M.S.W.	Master of Social Work
M. Journalism	Master of Journalism
PHYSICAL SCIENCE, LIFE SCIENCE	
B.Sc. Phy/Chem/Maths/Stats/ Biochem/Biotech/Microbiology/ Bioinformatics/Zoology/Botany/ Petrochemicals/Sanitary Sciences	Bachelor of Science in respective subject
M.Sc. as above	Master of Science in respective subject.
MANAGEMENT & COMMERCE FACULTY	
B.B.A.	Bachelor of Business Administration
B.B.M.	Bachelor of Business Management
PG Dip Mktg. Mngmnt.	Post Graduate Diploma in Marketing Management
PG Dip Advt. & PR	Post Graduate Diploma in Advertisement and

	Public Relation
PG Dip in Business Management	Post Graduate Diploma in Business Management
M.M.S.	Master of Management Studies
M.Com.	Master of Commerce
M.B.A.	Master of Business Administration
PARAMEDICAL (MEDICINE)	
D.M.L.T.	Diploma in Medical Laboratory Technology
B.M.L.T.	Bachelor in Medical Laboratory Technology
B.Sc. (Radiography/Nursing)	Bachelor of Science
B.P.T.	Bachelor of Physio Therapy
PG Dip-Hosp & Health Mngmnt.	Post Graduate Diploma in Hospital and Health Management
PG Dip-Maternal & Child Health	Post Graduate Diploma in Maternal and Child Health
M.P.T.	Master of Physio Therapy
M.S.P.T.	Master of Sports PhysioTherapy
EDUCATION FACULTY	
B.P.E.	Bachelor of Physical Education
M.P.E.	Master of Physical Education
ENGINEERING TECHNOLOGY	
Diploma inAutomobile/Mechanical /Chemical Environmental/ Civil/ Electrical/ Electronics	Diploma
LAW FACULTY	
LL.B. 3 Years	Bachelor of Law
LL.B. (Integrated) 5 years	Master of Law
I L.M.	
LIBRARY & INFORMATION SCIENCE	
D.Lib.	Diploma in Library & information science
B.Lib.	Bachelor of Library & information science
M.Lib.	Master of Library & information science
PHARMACY	
B. Pharma	Bachelor of Pharmacy
M. Pharma	Master of Pharmacy
HOTEL MANAGEMENT & TOURISM	
Dip. in Hotel Management	Diploma in Hotel Management
B.Sc. Hotel Management	Bachelor of Science (Hotel Management)
M.Sc. Hotel Management	Master of Science (Hotel Management)
FASHION TECHNOLOGY & TEXTILE SCIENCE	
B.Sc. Fashion Technology	Bachelor of Science in Fashion Technology
PG Dip. Fash. & Textiles Sc.	Post Graduate Diploma in Fashion and Textiles Science

ORDINANCE No.4

The Conditions of the Award of Fellowships and Scholarships

(Section 27 (1) (d) of the Adhiniyam)

1. (a) Every year in the month of July the University shall invite applications through a notifications for the awards to be made.

   (b) All awards of Fellowships, Research Scholarships and other Scholarships shall be made on the recommendation of a Committee consisting of

   (i) The Vice-Chancellor - Chairman

(ii) Three Academicians appointed by the Chancellor
(iii) The Registrar - Member -Secretary

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of award of University Grants Commission Fellowships shall be such as are laid down by the University Grants Commission.

3. The value and duration of Scholarships fellowships instituted by the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Chancellor.

4. The award of fellowships and research scholarships shall be made subject to the following conditions:
   (i) The fellow / scholar will do whole- time research work under an approved guide on a subject approved by the University.
   (ii) The fellow/scholar shall not accept or hold any appointment paid or other wise or receive any emolument, salary, stipend etc. from any other source during the tenure of the award nor shall he engage himself in any profession or trade during that period. He may, however, under-take teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution, where he is working without accepting any remuneration.
   (iii) The fellow/scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the fellowship/ scholarship.
   Provided that the Vice-Chancellor may, on the recommendation of the guide, permit the Fellow/ Scholar to join a Language diploma course and appear in an examination therefore.
   (iv) Unless permitted by the guide to work for a specified period at some other place, the fellow/ scholar shall be required to attend the institution where he has to work, on all working days.
   (v) If any information submitted by the fellow/ scholar in his application is found to be incorrect, incomplete or misleading,. the award may be terminated by the Vice-Chancellor after giving him an opportunity of being heard.
   (vi) If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the fellow/scholar has not been satisfactory, the fellowship/scholarship may be suspended or withdrawn.
   (vii) (a) Leave for a maximum of thirty days in a year in addition to general holidays may be taken by a fellow/scholar with the approval of the guide and the

University. The general holidays however, do not include the vacation. period e.g. summer, Dussehra, Dewali and X-mas vacations. No other leave with fellowship/scholarship shall be admissible.

(b) The fellow/scholar may, in special case, be allowed by the University leave without fellowship/scholarship for a period not exceeding three months during tenure of the award on the recommendation of the guide.

(viii) The fellow/scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he works.

5. Graduate and Post-graduate scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and ten months in the second year on condition that the scholarship holder produces a certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study or the center.

6. The scholarship shall be tenable from the 1st of July if the scholarship-holder joins the course within one month of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the course.

7. The payment of scholarships shall be made only on receipt of scholar's receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he studies. No scholarship shall be drawn for a month unless the scholarship holder has attended the institution regularly in that month.

8. The drawal of scholarship shall be done in accordance with the procedure that may be laid down by University.

9. A scholarship-holder shall not combine any other course of study with the course for which the award is made.

10. A scholarship shall be cancelled in the final year if the scholarship-holder fails to secure at least 50% marks in the Previous Examination of the concerned course.

11. If a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March and April shall be paid only if the Head of the institution certifies that the scholar deli gently studied for the examination, but was unable to appear in the examination for reasons beyond his control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final

examination, if the scholar passes the Previous Examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

12. A scholarship-holder shall at all times be of good behaviour and observe all rules of discipline.

13. (1) A scholarship shall be liable to be terminated, if :-

(i) the scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session ; or

(ii) the scholarship-holder after given a reasonable opportunity to explain his conduct, if in the opinion of the Vice-Chancellor Council is found guilty of breach of para 12 f this Ordinance;and if the Vice-Chancellor so directs, the scholarship-holder, shall also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him.

(2) The order of termination passed by the Vice-Chancellor shall be final.

ORDINANCE No. 5

Conduct of Examination

(Section 27 (1) (e) of the Adhiniyam)

1. All arrangement for the conduct of examination to be held by the University shall be made by the Registrar in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.

2. The Registrar shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each examination and the last dates by which applications and fees for examination shall be paid by the intending examinees.

3. (i) The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the center of examination and the Registrar shall in consultation with the Institution where there is an examination centre would appoint Superintendent and Assistant Superintendents, if any, for each examination center and shall issue instructions for their guidance:

Provided that for the purpose of appointment of an Assistant Superintendent at a center, the minimum strength of examinees appearing there-from, shall be at least 300.

(ii) The Superintendent of the Examination at each center shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer-books sent to him and shall render to the University office a complete account of used and unused question papers and answer books.

(iii) The Superintendent shall supervise the work of invigilators working under him.

4. It shall be the duty of the Centre Superintendent to ensure that an examinee is the same person who has filled the application form for appearing at the examination, by way of checking the photograph pasted on the form and admit card.

5. The University may change the examination centre of the examinees any time if it deems proper without assigning any reason.

6. The Registrar may, on the recommendation of the Centre Superintendent, appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to questions at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself / herself on account of severe short sightedness or sudden illness, provided that such an amanuensis shall be a man/woman possessing qualification of at least one class/examination lower than that of the examinee concerned.

7. The University may from time to time appoint Inspectors or Board of Inspectors to see that the conduct of the examination is strictly according to the rules and procedure laid down. In the event of the Inspector pointing out serious breach of rules or procedure, the Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in part, of the examination at the centre, and if any such action is taken, a report of the action taken shall be made to the Board of Management at its next meeting.

8. The Chancellor may cancel an examination at all centers if it is satisfied that there has been a leakage of question papers or any other irregularity which warrants such a step and report the action taken at the next meeting of Board of Management.

9. The Board of Management may issue such general instruction, for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper discharge of their duties.

10. If a candidate has any communication to make on the subject of his/her examination paper, it shall be made in writing to the Registrar direct.

11. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his/her examination shall be reported to the Registrar who shall place the matter before the Chancellor.

12. Except as otherwise decided by the Board of Management the examination answer-books and the documents regarding the marks obtained by the examinees except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after 6 months from the date of the declaration of the results.

13. The Registrar shall publish the results of the University examinations on the notice board of the office of the University. The result, when published, shall simultaneously be communicated to the institutions concerned.

14. The remuneration of the Examiners, Superintendents, Assistant Superintendents, Invigilators. Tabulators and Collators and deductions to be made in remuneration for errors noticed shall be decided by the board of Management from time to time.

15. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose whatsoever and no late comer will be permitted for the examination after half an hour of its commencement.

16. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes. The absence shall be recorded and if the examinee fails to return within this limit of 5 minutes, he/she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he/she gives convincing explanation.

17. A Candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues talking inspite of the warning by the invigilator, the answer-book of such examinee shall be withdrawn and a second answer book Supplied Only the second answer-book shall be sent for valuation. The first answer-book be cancelled and sent to the Registrar, by the Superintendent.

18. The Superintendent of an examination centre shall take action against an examinee who is found using or attempting to the use unfair means in the examination hall or within the premises of the examination centre during the hours of examination, in the following manner:-
    (i) The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable material found in his or her possession including the answer-book and a memorandum shall be prepared with date and time.
    (ii) The statement of the examinee and the invigilator shall be recorded.
    (iii) The examinee shall be issued a fresh answer-book marked 'Duplicate Using Unfair Means' to attempt answers within

the remaining time prescribed for the examination.

(iv) All the material so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer-book duly initialled shall be forwarded to the Registrar by name, in a separate confidential sealed registered packed packet marked "Unfair Means" along with the observations of the Superintendent.

(v) The material so collected from the examinee together with both the answer-book, viz, the answer-book while using unfair means and the other supplied afterward, will be sent to the Examiner by the Registrar for assessing both the answer-books separately and to report if the examinee has actually, used unfair means in view of the material collected.

(vi) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent along with the report of the Examiner shall be examined by a Committee to be appointed by Board of Management every year.

(vii) The Committee shall after examining all documents of thecase decide the action to be taken in each case and report to the Chancellor regarding the action to be taken.

19. (1) Where a candidate applies for revaluation the answer-book inwhich revaluation is sought will be sent for valuation by the Chancellor, to two examiners (other than the one who initially valued it). Each of the two examiners shall receive a remuneration of Rs.20/- for the revaluation of an answer-book.

(2) If the marks awarded in the paper by any of the two examiners varies from the marks given by the original examiner by more than 10% maximum marks in the paper, the average of the marks awarded by two of the examiners the original examiner and the two revaluers and nearest to each other will be taken to represent the "correct valuation". This average of marks will be awarded to the candidate for the revision of his result.

Provided that subject to the condition that at least one of the variations from the original marks is more than 10% of the maximum marks in the paper if two difference in marks allotted by the three examiners are equal, the two marks to the best advantage of the candidate shall be taken into account for arriving at the correct valuation.

20. In this Ordinance and in all Ordinances and Regulations laying down conditions for appearing at an examination of the University for a degree or a diploma either generally or for a particular examination, unless there is anything repugnant in the subject or context.

(i) "Regular candidates" means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or an institution identified as a centre and seeks admission to an examination of the University as such:

(ii) "Ex-student candidate" means a person who was admitted to an examination as a regular candidate and was not declared successful thereat or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued to him by the University and seeks admission again to the said examination.

(iii) A candidate shall be admitted as a regular candidate only when he has attended at least 75% of lectures and practical separately.

(iv) In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding prosecution of a regular course of study:

(a) Attendance at lectures delivered and practical/clinical/ sessional, if any held, during the academic session shall be counted.

(b) Attendance at any lecture delivered or practical/ clinical/ sessional held within twenty eight days preceding the first day of the written examination shall not be counted.

(c) Attendance kept by a regular candidate in a higher class shall be counted towards percentage of attendance for examination of lower class to which he may revert as result of his failure to pass in the second/supplementary examination.

(d) Attendance at N.C.C. / N.S.S. Camp during the session shall be taken as full attendance at lectures/ practicals on each such day of camp and the days for journey to such camp.

(e) Participation as a member of a University team in any Inter University competition shall be taken as full attendance on the days of such competition and the days of journey for participating therein.

(v) For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical/clinical/ sessional held in each subject may be condoned by the Chancellor.

21. (1) No ex-student candidate shall be admitted to an examination of the University unless he submits with his application for appearing in the examination:

(i) The statement of marks (in original) obtained by him at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

(ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular candidate but he could not appear there at a certificate from the institute last attended by him

showing the year, the roll number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

(2) Every ex-student candidate shall appear at the Examination Centre at which he appeared as regular candidate.

22. Where there are two or three examination for any degree such as part I, II and III or previous and final examinations and there are two or more alternative subject /courses for such a degree, a candidate for the degree must take the same subject course in part III / final examination as he has taken in the part II /previous examination.

23. No candidate shall appear, in more than one degree examination or in more than one subject for the Master's degree (previous or Final) in one and the same year.

24. A candidate who has passed the Bachelor's degree Part I or Part II examination or the previous examination for a Master's degree of another University may, with the permission of the Chancellor be admitted to the next higher examination of the University for the degree concerned provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of the University for the corresponding examination.

25. No person who has been expelled or rusticated from any college or University or has been debarred from appearing at a University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

26. An application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee as prescribed by the University from time to time.

27. Notwithstanding anything contained in the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University the Vice-Chancellor may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of diligence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee of Rs. 8/- even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.28.

28. (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of a candidates if:
    (a) the application of the candidate is complete in all particulars in accordance with the provisions applicable to him and in order,
    (b) the candidate is eligible for admission to examination, and
    (c) the fees as prescribed have been paid by the candidate.

(2) Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers a candidate shall not be deemed to have been admitted to the examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

(3) The admission card issued in favour of a candidate to appear at an examination may be withdrawn if it is found that
    (a) the admission card was issued by mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.
    (b) Any of the particulars given or document submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to Institute, teaching department or school of studies or admission to an examination is false or incorrect.

(4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a dupliq1.te admission card on payment of a fee prescribed by the University. Such card shall show in a prominent place the word " Duplicate".

29. A candidate shall not be admitted into the Examination hall unless he produces the admission card before the Superintendent of Examination Centre or the invigilator or satisfies such officers that it shall be produced. A candidate shall produce his admission card whenever required by the Superintendent or the invigilator.

30. (a) In the Examination Hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the centre and he shall obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instruction of the Superintendent or his in disciplined conduct or insolent behaviour toward the Superintendent or any invigilator the candidate may be excluded from that day's examination and if he persists in misbehavior he may be excluded from the rest of the examination by the Superintendent of the centre.

(b) If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the Superintendent or any invigilator at the centre or in its precincts endangering the safety of either of them or acts in a manner likely to the authorities in the discharge of their duties, the Superintendent may expel the candidate from the centre and he may take police help.

(c) If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination centre he may be expelled from the centre and/or handed over to the police by the Superintendent.

(d) A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above will not be allowed to appear in the subsequent papers.

(e) In every case where action is taken by the Superintendent under (a), (b) or (c) above a full report shall be sent to the University and the Executive Council may according to the gravity of the offence, further punish a candidate by canceling his examination and/or debarring him from appearing at the examinations of the University for one or more years after giving the candidate an opportunity to show cause and considering any explanation submitted by the candidate.

31. (1) A candidate who, due to sickness or...other cause, is unable to present himself herself at an examination, shall not receive a refund of his fee. Provided that the Vice-Chancellor may, in case in which he is satisfied about the genuineness, or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fee towards the immediately next examination, viz.

1. Examination fee after deduction of 10% fee paid
2. Fee for statement of marks.

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate of illness if applicable, must be sent so as to reach the Registrar not earlier than and not later than 30 days from the date of commencement of the examination at which the candidate was to appear.

Provided, however, that a candidate shall not be entitled to the adjustment of examination fee mentioned in foregoing paragraph if he/she changes the faculty or his subject in case of postgraduate examination.

(2) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures/ practicals, may be refunded after deduction of service charges.

(3) Examination and other fees of a candidate whose application for appearing at an examination has been rejected for some reason or who could not furnish his form within the prescribed date, necessary fees having been paid in

University account, may be refunded after deduction of service charges.

(4) The examination and marks fee of a candidate who dies before appearing at the examination may be refunded in full to his guardian or his successor.

(5) The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.

32. (1) Any candidate, who has appeared at an examination conducted by the University, may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the written papers in any subject and rechecking of his results. Such application must be made so as to reach the Registrar within 15 days of the publication of the result of the examination.

(2) Such application must be accompanied by fee as per schedule given below:
(a) In one subject - Rs.50/-
(b) In all subject - Rs. 120/-

(3) A candidate shall not be entitled to a refund of the fee unless his result affected by the scrutiny.

(4) The result of scrutiny shall be communicated to the candidate.

(5) If as a result of scrutiny it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and the fee deposited by the candidate for scrutiny of marks shall be refunded to him.

33. (1) A candidate whose result has been declared may apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days of the declaration of his result for the revaluation of any of his answer-books. Provided that no candidate shall be allowed to have more than two answer-books revalued. Provided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practicals, field work, sessional work, tests and thesis submitted in lieu of a paper at the examination.

(2) The fee for revaluation shall be Rs. 200/-per answer- book.

(3) If the correct valuation arrived at as a result of revaluation exceeds the marks awarded by the original examiner the candidate shall be entitled to a refund of Rs. 100/- out of the revaluation fee deposited by him.

34. A candidate who has passed any final degree examination may, after the declaration of his result and before the date of the next convocation apply to the Registrar for a Provisional Certificate of passing the examination of the University. Such application shall be accompanied by a fee of Rs.50/-

35. No person who is under sentence of expulsion or rustication from a University Teaching Department, School of Studies or College or from the University or is debarred from appearing at examination of the University for any period of time shall be granted a Migration Certificate during the period for which the sentence is in operation.

36. Duplicate copies of the following certificates shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz.

    (i) Mark List - Rs. 50/-
    (ii) Migration certificate - Rs. 100/-
    (iii) Provisional Certificate - Rs. 100/-

    Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall not be granted except in cases in which the Registrar is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the original Migration certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has real need for a duplicate.

37. Duplicate of University Diplomas shall not be granted except in which the Chancellor is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force, that the applicant has lost his diploma, or that it has been destroyed, and the applicant has real need for a duplicate. In such cases, a duplicate of the diploma may be granted on receipt of a fee of Rs.10/-

38. The names of first ten successful candidates in each examination other than second full examination who obtain first division shall be declared in order of Merit for each class/subject as the case may be.

39. Notwithstanding anything contained in the concerned Ordinance an examinee, who fails by a total of not more than tree marks in not more than two subjects in any of the Graduate examination except where it is held on a semester basis, but secures more than the minimum aggregate marks required shall be given three grace marks to enable him to pass the examination.

40. The Chancellor may award one grace mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark. Where

the deficiency is so condoned, one mark shall no where be added. Provided that the benefit under this paragraph shall not be allowed to enable a candidate to get the benefit under paragraph (39)

41. The scope of studies in different subjects for an examination shall be as prescribed by the University from time to time and printed in the prospectus for the examination concerned.

42. (1) The following shall be eligible to appear at supplementary examination.

(a) candidates who have failed at any B.A., B.Sc., B.Sc. (Home Science) or B.Com examination in one or more than one subject or group as the case may be.

(b) Candidates for examinations other than those enumerated in (a) above who are declared eligible to appear at a supplementary examination in accordance with the provisions of the respective examination Ordinance.

(2) In the case of subject for supplementary examination on which there is also a practical test, a candidate shall be required to appear in the written papers only if he has passed at the main examination in practical and in practical only if he has passed in the written papers. A candidate who has failed both in written papers and practical shall be examined in both the parts of the subject.

(3) Except when provided otherwise in the Ordinance concerned, a candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as a supplementary examination candidate in the two examinations immediately following the examination in which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers at the next examination.

(4) A candidate appearing in the supplementary examination shall be declared to have passed the examination if he secured the minimum pass marks in the subject or group as the case may be except when provided otherwise in the examination Ordinance concerned. The marks obtained by the candidate in the supplementary / second examination shall taken into account in determining the division at the examination.

ORDINANCE No.6
Appointment of Examiners
(Section 27 (1) (e) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance:

(i) " Internal Examiner" means:
  (a) In case of theory paper, an examiner including a paper-setter who is a teacher in a University Teaching Department, School of Studies or intuitions identified as centres of the University.
  (b) In case of practical and viva-voce examination an examiner who is a teacher in the Institution whose candidates are being examined at the examination centre.

(ii) "External Examiner" means an examiner other than an internal examiner..

(iii) "Co-examiner" means an examiner in a written paper other than the paper setter.

2. The office of the Registrar shall prepare for every subject an institution wise list of names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teachers in the University Teaching Department, School of studies or institution identified as centres of the University and the second part containing names of persons other than teachers of the University qualified for appointment as examiners, whose names shall be obtained by the Registrar's office from other Universities on its own initiative or under the direction of the Chairman of the Board of Studies concerned.

3. The list shall contain, as far as possible, information relating to the persons included therein on the following points namely
  (a) The academic qualifications and teaching experience at degree and post graduate levels,
  (b) The field of specialization
  (c) The examinations of the University and years in which they have acted as examiners in the past.

4. The list so prepared shall be made available to the Examination Committee concerned constituted by the Vice-Chancellor for each subject.

5. The Registrar's office shall also give the Examination Committee the approximate number of candidates expected to appear at each examination and the list of centres of each practical! Viva-Voce examination together with the estimated number of candidates thereat.

6. The Examination Committee shall, in the light of the provisions of the following paragraphs, recommend
  (i) A panel of three names for the appointment of the paper-setter of each written paper.

(ii) A list of names of persons for appointment as co-examiners where necessary, the number of names included in the list being at least fifty percent in excess of the number to be appointed.

(iii) A list of names of persons for appointment as examiners in each practical/Vive-Voce examination, the number of names included in the list being sufficient for the conduct of practical/ Viva-Voce examination at different centre.

7. The Vice-Chancellor shall appoint paper-setters, co-examiners, practical! Viva Voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the Examination Committee. He may, however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the Examination Committee if he is satisfied that the person in question possesses the minimum qualification and his appointment will not be contrary to the provisions of the following paragraphs.

8. The qualifications of the Paper-setter and Co-examiners shall be as follows, namely -

(A) Paper-setter :

Examination	**Qualification**
(i) Post-graduate examination in all Faculties other than Law.	(i) Experience of teaching the subject at the post-graduate level for atleast seven years, OR Experience of teaching the subject at the Post-graduate level from atleast five years together with research experience/total teaching experience at the degree and /or Post graduate level for atleast ten years.
(ii) LLM.	(ii) Master's degree or higher degree in Law and teaching experience at LL.M. level for atleast seven years. OR Experience as High Court Judge OR Standing of atleast fifteen years at the Bar.
(iii) Degree examinations in all Faculties other than Engg. Technology, Law, Medicine and Ayurveda.	(iii) Teaching the subject at Degree and /or Post-graduate level for atleast seven years.
(iv)Degree Examination faculties of Engineering Technology	(iv) Teaching Experience at Degree/Post graduate level and / or Professional experience for atleast seven years.
(v) Degree examination in the Faculty of Ayurveda.	(v) Teaching experience in the subject at the degree and / or post-graduate level

	for atleast five years.
(vi)LLB.	(vi) Teaching experience of LL.B. and / or LL.M. classes for atleast seven years. OR Judicial experience as District Judge for atleast five years. OR Standing of atleast twelve years at the Bar.
(vii) Diploma examination in all Faculties other than those in the faculty of Medicine and post graduate Diploma examination in Business Administration.	(vii) Teaching experience of atleast three years of Degree and five years of Diploma classes. OR Ten years professional experience.
(viii) Diploma examination in the Faculty of Medicine	(viii) A Doctor's or Master's Degree or a post-graduate Diploma of a recognized University or an equivalent qualification in the subject and atleast five years teaching experience in the subject in any University or college recognized by the Medical Council of India.
(ix) Post-graduate Diploma in Business Administration.	(ix) Atleast seven years teaching experience at the degree level or atleast five years teaching experience of Post-graduate/Degree/Diploma classes in the subject.

(B) Co- examiners

The qualification shall be the same as for Paper-setter but the minimum teaching/professional experience required shall be less by two years than that prescribed in case of the Paper-setter. Provided that in case of degree examinations where sufficient number of internal co-examiners in a subject with the aforesaid qualifications is not available, teacher in the University Teaching Department /School of Studies and College in the University with at least three years teaching experience at the degree/post-graduate level in the subject shall be eligible for appointment as Co-examiners.

9. (1) In case of practical and Viva-Voce examinations at the post-graduate level, the external examiner shall be a person not below the rank of a Reader.

(2) In case of Practical and Viva-Voce examinations at the first degree level the external examiners shall be a teacher of the subject with not less than three years experience of the subject at the degree and/or post-graduate level.

(3) The internal examiner in case of Viva-Voce examination at

the post-graduate level shall be senior most teacher in the subject in the Institution whose regular candidates are to be examined at the Centre.

(4) The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post-graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the Institution, whose regular candidates are to be examined at the Centre, on the recommendation of the Head of such Institution.

(5) The external examiner at the post-graduate level in case of a Practical/ Viva Voce examination shall not ordinarily be a teacher in a University Teaching Department /school of studies or centre of the University.

(6) Except in the Faculties of Medicine, Ayurveda, Engineering Technology, Education and Physical Education all external examiners in case of practical examination at the first degree leave shall as far a possible be appointed from amongst the teacher in any University Teaching Department, School of Studies or centres of the University.

10. (1) Ordinarily 50% of the paper-setter at the post-graduate examination and 25% of the paper-setter at the first-degree examination in any subject shall be external.

(2) Where in any paper more than one examiner is appointed, the paper-setter shall be the Head-examiner. Examiners other than the Paper-setter shall be the Co-examiners.

(3) All Co-examiners shall be internal\Provided that if sufficient number of qualified teachers in a subject is not available for appointment as Co-examiners, external Co-examiners may be appointed.

(4) For appointment as Paper-setter and Co-examiners teachers in the University Teaching Department, School of Studies and centre of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority, subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

11. (1) No one shall ordinarily be given more than one theory examiner ship (paper setter or Co-examiner ship). In case the Examination Committee considers it necessary to recommend more than one examiner ship (one for the first degree examination and one for Post-graduate examiner ship) in case of any person, it shall specify its reasons for doing so for the consideration of the Vice-Chancellor.

(2) Ordinarily not more than one papersetter shall be appointed from anyone University Teaching Department, School of Studies or College in the same subject at anyone examination.

(3) No one who is a paper-setter at any post-graduate examination shall be appointed as an external Viva-Voce examiner at that examination.

(4) No one shall ordinarily be given more than two external Practical examination ships, provided that in case of Centre where the total strength of candidates appearing at Part I, II and III of a first degree examination is less than 120, one external examiner may be appointed for all the three examinations.

(5) In case of under graduate practical examinations, one external examiner shall not ordinarily examine more than 120 candidates.

(6) In case of written examination, an examiner shall not ordinarily value more than 250 scripts and a Co-examiner shall be appointed if the number of candidates appearing in the paper is more than 300.

(7) While recommending names for examiner ship in faculties where English is not the sole medium of examination the Examination-Committee shall ensure that the examiners recommended can value the scripts written in Hindi.

(8) The provision of sub-paragraphs (1) and (2) above shall not apply in case of Examination in the Faculties of Engineering Technology, Education, Physical Education, Medical and Ayurveda.

12. (1) Examiner shall be appointed for the examination of one year only, but they shall be eligible for re-appointment.

(2) Any person who has acted as an examiner (paper-setter, Co-examiners or external Viva-Voce examiner) for three consecutive years shall, ordinarily, not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses between the year in which he last acted as an examiner and the year in which he is re-appointed.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners if the number of eligible examiners in the subject concerned is less than the number of internal examiners required.

Provided, also that on the recommendation of the Examination Committee a specialist or expert may be continued for two years more after the expiry of the three years period without a gap.

(3) An examiner may be discontinued any time even before the expiry of the three year period if his work is found unsatisfactory.

An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if:

(i) mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result or

(ii) he is found by the Board of Management to have delayed the work without good cause or

(iii) there is an adverse report from the Head Examiner, or
(iv) in the opinion of the Board of Management there are reasonable doubts about his integrity or
(v) suspicion that he is accessible to examinees or their relations and

If there are serious complaints against his pap ere e.g. that his papere was much above or below the standard or contained questions outside the prescribed course.

13. (1) In a paper for which there is only one examiner, he shall set the paper and value the answer-books received by him.
(2) In a paper for which more than one examiner has been appointed, the Head examiner shall: -
(i) Set the paper
(ii) Forward a memorandum of instructions for the guidance of the co examiners to secure conformity with his own standard in the valuation of the answer-books by his co-examiners;

14. If for any reason any examiner becomes unable to value the answer-books or to perform the duties of the Head Examiner, after setting the question paper, he shall be entitled to receive only one-half of the amount of fees for paper setting the balance being payable to the examiner who values the answer-books or acts as Head Examiner.
Provided that if the paper-setter dies before he is able to take up or complete the valuation of answer-books, full fee prescribed for paper setting shall be paid to the heirs of such paper-setter.

15. (1) In any subject, if a viva-Voce examination is prescribed, it shall be conducted by a board to two examiners of whom one shall be an external examiner and the other internal.

(2) Except in case of M.Sc. (previous) Examination in Chemistry there shall be a Board consisting of two examiners, one internal and the other an external examiner for conducting the practical examination in each subject or in each special branch of the subject as the case may be.

(3) In the case of M.Sc. (previous) Examination in Chemistry, the Board shall consist of three examiners, of whom one shall be internal examiner and two shall be external examiners. The Board shall be so constituted as to represent all the three branches of Chemistry, namely, Inorganic, Organic and Physical

16. In the case of a subject for M.A., M.Sc. M.Com., and M.P.E. Examination, where thesis is permissible in lieu of a paper there shall be a Board of two examiners for reading the thesis. The

maximum number of marks for the thesis shall be equally divided between the two examiners each of whom shall mark the thesis independently. If the valuation of these two examiners differ by 20%, the thesis shall be referred to the third examiner, (other than a teacher of the University) who shall award marks out of half of the maximum marks for the thesis. The aggregate of two (of the three) awards nearest to each other and to the best advantage of the candidate shall be taken as the correct valuation.

17. In case of an examination for a research degree, the Examination Committee shall recommend for each thesis to be examined a panel of at least six names of persons who:
    (a) Possess a research degree in the subject and at least ten years teaching experience at the postgraduate level OR
    (b) are scholars of repute in the subject.

18. (i) No person shall act as paper-setter or examiner either in theory, Viva-Voce or practical examination if any of his relations is taking the examination, provided that this provision shall not debar a person from acting as an examiner for practical at a Centre other at which his relation is appearing.
    (ii) No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing/ has appeared at that examination.

ORDINANCE No.7
Condition of Residence in the Hostel
(Section 27 (1) (g) of the Adhiniyam)

1. The hostel maintained by the University will provide accommodation to its students.
2. Every hosteller shall at all times be of good behaviour, maintain decorum and dignity and observe all rules of the hostel.
3. Each student wishing to reside in the hotel shall apply on the prescribed form (Appendix 1) along with the application for the admission. The Head of Department shall forward the application to the Chief-warden after the candidate is admitted.
4. The admission to hostel shall be granted at the discretion of the warden in consultation with chief-warden. The student in no case will be allowed to stay in the hostel for more than four years as a student of a particular course.
5. The student will occupy the room allotted to him by the warden. No mutual exchange shall be permitted without the permission of warden.
6. Roll, call shall be taken on night at 9.00 p.m. in winter (15th October to 14th March) and 10.00 p.m. in summer (15th March to 14th October). The student will have to take prior permission from

the warden to return late and to leave hostel during holidays. Ordinarily no student will be permitted to leave the station more than twice in a month.

7. No alcoholic drinks or any other intoxients, fire arms or weapons, etc., shall be permitted in the hostel.
8. Furniture can not be removed from one room to another except with the permission of warden. The inmate of the room shall be responsible for the fixtures and furniture provided in the room. The candidate occupying the room shall have to furnish a receipt of all the furniture's and fixtures on the prescribed proforma (Appendix 2). All damages to furniture, fittings, etc. will be replaced at the cost of the inmate.
9. Ordinarily no guest shall be allowed to stay in the hostel during night.
10. The hostellers are required to keep their rooms clean and tidy. Inspection of the hostel can be made by the warden and chief-warden without any notice.
11. The use of loudspeakers, loud playing of radio / transistor, etc. likely to disturb the boarders are prohibited.
12. No meeting or gathering of the students can be made in the hostel without the permission of the warden and chief-warden both.
13. The students shall be required to vacate the hostel within 10 days of the his/her last paper/practical of the session. The Ph.D. students may be permitted to occupy the hostel during summer vacation. They will have to vacate within 10 days of the submission of Ph.D. thesis.
14. The food services shall be arranged by the warden in consultation with the Chief warden and two representatives of the hostellers. It may either be a cooperative mess, managed by the hostellers or a mess run by a contractor.
15. The absenting from the hostel or coming late to the hostel after the roll call without prior sanction of the warden shall be liable to a fine of Rs.20/- each occasion. Habitual reoccurrence of such offence may result in the expulsion of the hosteller from the hostel.
16. The warden is empowered to levy a fine up to Rs.50/-for any breach of hostel rules, neglect of duties or irregularities. Persistent indulgence in such affairs of misconduct on the part of the hosteller may be dealt with by the warden appropriately. According to the nature and gravity of the offence the warden may:
    (i) Expel the student from the hostel.
    (ii) Recommend to the Head of the School, where he is studying:
        (a) Disqualify from appearing at the next ensuing examination, or
        (b) Rusticate such a student. It shall be obligatory for the Head of the School to act according to the recommendations of the warden.

Before inflicting any punishment aforesaid the warden shall give the hosteller concerned an opportunity of personal hearing and record, the reasons of inflicting the punishment in writing.

Appeal on the order of the warden can be made by the hosteller to the Chief warden. The chief-warden after giving a personal hearing to the hosteller concerned will decide the issue. The decision of the Chief-warden shall be final.

17. The fees and other dues prescribed for the hostel are given in appendix 3. In case of non-payment of dues within the scheduled time the hosteller shall be liable to be expelled from the hostel.
18. Notwithstanding anything the chief-warden shall have the power to get the hostel vacated temporarily by anyone or more than one hostellers without assigning any reason at a short notice.
19. The warden for each hostel and chief-warden for all the hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor.

ORDINANCE No.8

Maintenance of Discipline amongst students

(Section 27 (1) (h) of the Adhiniyam)

1. All students prosecuting a course of study at the University Teaching Department and its Centre shall observe a code of conduct.
2. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulation of the University and the center by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him/her liable for disciplinary action against him/her.
3. The following acts shall constitute acts of gross indiscipline and students indulging in any of them shall be liable for disciplinary action against him.
    a. Disobeying the teacher
    b. Misbehaving in the class
    c. Quarrelling, fighting and passing derogatory remarks in the University or center premises.
    d. Quarrelling, fighting or abusing the University and /or center employees, workers of canteen, mess or any other public utility functioning in the campuses.
    e. Behaving in an in descent manner and harass the teachers, employees of the University or fellow students in the campus and outside.
    f. Indulge in ragging.
    g. Any other act, which the Discipline Committee may determine.
4. The Chief-Proctor and proctors shall be appointed from amongst the teachers by the Vice-Chancellor for a period of two years. The Chief-Proctor and the Proctor so appointed by the Vice-Chancellor

can be removed by the Vice-Chancellor before the expiry of their term of two years.

5. The Proctors may be appointed to maintain the discipline at the centres by the Vice-Chancellor.
6. The Chief-Proctor and the Proctors shall be paid honorarium decided by the Board of Management.
7. **Powers and Duties of Chief Proctor and Proctors.** The Chief Proctor subject to the control of Chief Proctor, Proctors shall exercise following powers.
    - (i) Take action in all matters of indiscipline brought to his notice by any teacher, students, and employees of the University or any responsible person.
    - (ii) If any act of indiscipline comes to his notice, it shall be his duty to take necessary action to curb down, indiscipline.
    - (iii) If in the opinion of Chief-Proctor the act of indiscipline is not of a serious nature, he may hold a summary inquiry and shall have powers to impose following penalties:
        - (a) issue a formal warning
        - (b) a reasonable fine not exceeding Rs.100/-
    - (iv) If in the opinion of Chief-Proctor, the breach of discipline is of a serious nature, he may get the preliminary inquiry conducted by either a Proctor or any person he deems fit. The inquiry report shall be placed before a Committee consisting of at -least three persons, constituted by the Chief Proctor.
    - (v) The Committee shall issue the show cause notice specifying the charges and call upon the accused to present his/ her explanation and examine all relevant documents and! or evidences and recommend for the punishment.
    - (vi) The recommendation of imposing fine or issuing a warning shall be sent to Chief Proctor for execution, all other recommendations shall be placed before the Vice-Chancellor. On the approval by the Vice-Chancellor, the punishment shall be executed by the Chief-Proctor.
    - (vii) The Chief-Proctor can delegate his powers to the Proctors of centres of the University.

ORDINANCE No. 9

Other Bodies for improvement of Academic life of the University.

(Section 27 (1) (i) of the Adhiniyam)

I. In addition to the Academic Council (section 19(1) (3)) the University shall have following bodies for the improvement of academic life of the University:
    - (i) Faculty
    - (ii) Board of Studies

II Faculty:

1. Each faculty shall consist of following members:

(a) Dean of the faculty Chairman

(b) All Chairman of the Board of Studies of the subjects included in the faculty.

(c) All Professors of the University teaching Departments assigned to the faculty.

(d) Two Readers of University Teaching Departments of the subjects assigned to the faculty nominated by Vice-Chancellor by rotation in order of seniority.

(e) Two Readers of centre of University nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority.

(f) Six Lecturers drawn from University Teaching Departments the subjects assigned to the faculty nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority.
Provided that there shall not be more than one teacher of anyone department under (d) , (e) and (f).

(g) Two persons co-opted by the faculty having expert knowledge of the subjects assigned to the faculty. Provided that the co-opted persons shall be of different subjects.

2. All members of the faculty other than ex-officio members and Deans shall hold office for a term of three years.

3. One-third of the total membership of the faculty shall constitute a quorum.

4. The faculty shall have the following powers:

(a) Subject to the control of the Academic Council to organize, coordinate and regulate teaching and research activities of the. Departments assigned to it.

(b) To approve the courses of studies for different examinations proposed by the Board of Studies and to remit matters to Board of Studies.

(c) To recommend to the Academic Council the conditions for the award of degrees, diplomas, certificates and other distinctions including the scheme of examinations for different degrees.

(d) To deal with such other matters relating to the subjects within its preview's may be referred to it by the Academic Councilor the Vice Chancellor.

(e) To hold meetings, joint meetings of faculties with the approval of Vice-Chancellor with a view to develop multidisciplinary courses. Such joint meetings shall be presided over by a Dean nominated by the Vice-Chancellor.

5. The following shall be the faculties and the subjects assigned to them:

S.No.Name of the faculty Subjects or Group of subjects/ Departments

S.No	Name of the faculty	Subjects of Group of subjects/ Departments

1.	Faculty of Arts	1.	English and other European language
		2.	Sanskrit, Pali and Prakrit
		3.	Hindi
		4.	Urdu, Arabic and Persian
		5.	Modem Indian Languages
		6.	Philosophy
		7.	Library Science
		8.	Music and Dance
		9.	Journalism
		10.	Drawing and Painting
2.	Faculty of Social Sciences	1.	Anthropology
		2.	Ancient Indian History, Culture and Archaeology.
		3.	Economics
		4.	Geography
		5.	History
		6.	Home Science (if there is no separate faculty for Home-Science)
		7.	Political Science and Public Administration
		8.	Psychology
		9.	Defence Studies, Military Science
		10.	Rural Extension Service
		11.	Sociology and social work
3.	Faculty of Science	1.	Physics
		2.	Chemistry
		3.	Mathematics
		4.	Earth Sciences (Geology)
		5.	Statistics
		6.	Computer Science
		7.	Electronics
		8.	Criminology and Forensic science
		9.	Information Technology
4.	Faculty of Life Science	1.	Botany
		2.	Zoology
		3.	Biochemistry
		4.	Biotechnology and Bio - informatics
		5.	Microbiology
		6.	Life science
5.	Faculty of Law	1.	Law
6.	Faculty of Commerce	1.	Commerce
7.	Faculty of management	1.	Management

8.	Faculty of Education	1.	Education including science Education
		2.	Applied Psychology
		3.	Physical Education
		4.	Yogic Science
9.	Faculty of Home Science	1.	Home Science
10.	Faculty of Engineering and Technology	1.	Civil Engineering
		2.	Mechanical Engineering
		3.	Electrical Engineering
		4.	Electronics and Telecommunication Engg.
		5.	Chemical Engineering
		6.	Mining
		7.	Metallurgical
		8.	Architecture
		9.	Environmental
		10.	Information Technology
		11.	Pharmaceutical Science
		12.	Applied Physics
		13.	Applied Chemistry
		14.	Applied Mathematics
		15.	Applied Geology
		16.	Computer Application
11.	Faculty of Medicine	1.	Anatomy, Physiology and Biochemistry
		2.	Pharmacology, Forensic Medicine and allied subjects
		3.	Preventive and Social Medicine and Pathology
		4.	Medicine, Skin and Veneral diseases, Tuberculosis, Psychiatry
		5.	Surgery, Anesthesiology and Dentistry (Where there is no separate Dental College)
		6.	Orthopedics and Ear, Nose and Throat (ENT)
		7.	Obstetrics and Gynaecology and Paediatrics
		8.	Ophthalmology and Radiology.
		9.	Nursing
		10.	Dentistry (if there is a separate college of Dentistry)
		11.	Paramedical course

Provided that the Academic Council on the recommendation of faculty shall have power to add the subjects in each faculty.

III. Board of Studies

1. The Board of Studies for each subject or group of subjects! Departments shall be constituted
2. The constitution, powers and duties of Board of Studies have been given in Ordinance-2.

IV. Dean of Faculty

The Dean of faculty shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of Vice-Chancellor for a period of two years from amongst the Professors of the University Teaching Departments of the subjects assigned to the Faculty.

Provided that if there are no Professor of the University Teaching Department, Dean shall be appointed from amongst the Readers of University Teaching Department or University centres.

Provided also that if no Readers are available the Chancellor may appoint Dean of any other Faculty to act as the Dean of Faculty.

ORDINANCE No.10

Cooperation and Collaboration with other University and Institutions of Higher Education

(Section 3 (7) read with Section 27, (1) (g) of the Adhiniyam)

1. The University shall seek cooperation and collaboration with the existing Universities and Institutes of Higher education and execute a Memorandum of Understanding (MOU) detailing the extent and areas of cooperation and collaboration mutually agreed upon.
2. The proposals for establishment of centres by the Institutions desirous of establishment of University centre shall ordinarily be received by January every year.
3. The Institution shall be required to furnish all details on the prescribed form along with the documentary evidences.
4. The proposal must also be accompanied with a Bank Draft of Rs. 25,000/- drawn in favour of Registrar, Gurukul University, Raipur as Registration fee for the first year. The Registration may be renewed for the next year by the study centre after payment of nominal amount.
5. The Institute shall also be required to execute a memorandum of understanding, spelling out the terms and conditions for maintenance of Academic Standards and efficient and smooth functioning of the centre.
6. The University shall have the power to inspect the centres and assess their progress.
7. The University shall prepare a detailed memorandum of requirements of space, equipments, library, faculty and other facilities and it shall be obligatory for the centre to arrange for the same, failing which the University shall have the right to close the centre.

रायपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-187/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 (3) के अधीन वेस्टर्न इंडिया यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा 10 (दस) "प्रथम अध्यादेशों" को अनुमोदित करती है.

ये अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These ordinances shall, here -in after called "The First Ordinances of Western India University, 2003."

1.2 The First Ordinances are applicable to 'Western India University' and any matter relating to and/or incidental thereto.

1.3 The First Ordinance shall come into force on the date of publication of the First Ordinances by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of the Western India University shall be situated at Raipur, and the Campus anywhere in Chhattisgarh State.

2.0 Definitions

In these First Ordinances, unless otherwise the context demands:

a. **Academic Council** means the Academic Council of the University constituted under Section 22 of the Act and under Section 14.0 of the First Statutes.

b. **Academic Staff** means such categories of staff or employees as are designated as academic staff by the ordinances.

c. **Academic Year** ordinarily means the period from 01 April of any year to 31st March of the following year, or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

d. **Act** means the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002 (No. 2 of 2002).

e. **Ad-hoc Committee** means a committee constituted under the Section 20.0 of these First Statutes.

f. **Administrative Officer** means an officer of the University as defined under section 7.0 of the First Statutes.

g. **Affiliation** means and includes together with its grammatical variations in relation to institutions, colleges and schools, recognition of such institutions, colleges and schools by, association of such institutions, colleges and schools with, and admission of such institutions, schools, colleges to the privileges of the University; these institutions, schools and colleges may be located in or outside the state of Chhattisgarh in India and foreign countries.

h. **Authority** means authority / authorities mentioned under Section 19 of the Act and Section 10.0 of these First Statutes.

i. **Board** means the **Board of Management** of the University constituted under section 21 of the Act and section 12.0 of these First Statutes.

j. **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects or academic program, constituted by the Academic Council or the Vice Chancellor on its behalf.

k. **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and Section 4.0 of these First Statutes.

l. **Committee** means all committees constituted under Sections 16, 17, 18, 19, 20 and 21 of these First Statutes.

m. **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

n. **Controller of Examination** the officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

o. **Courses** includes programs and courses of studies imparted in the formal mode

and / or in the non – formal mode or distance education mode including web, electronic, satellite or any other means in the institutions, colleges, schools and Study Centers of or authorized by the University by whatever name these are called.

p. **Dean** means **Head of a Faculty** which may consist of one or several Programs or Institutions or Centers of Excellence / Research / Training / Consultancy, usually selected from among the Heads of such Programs / Institutions / Centers, and is the officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

q. **Dean (Discipline)** means the person responsible for maintaining the discipline amongst the students, faculties and staff of schools, institutions, colleges and post-graduate departments of the University, and is the officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

r. **Director** means **Directorate** or the officer appointed by the Management Board under Section 7 of the First Statutes for rendering general or specific or support services to the students, faculties and staff of the University and for facilitating and coordinating the functions and activities of the Deans of Faculties, Schools, Colleges, Distance Education Study Centers, Administration, and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice–Chancellor or as delegated by him from time to time. There may be various Directors or Directorates, who will work in coordination with all concerned:

(1) **Director of Distance Education (D-EDU)** - To coordinate, execute and deliver all or some Distance Education Programs offered by the University in India and abroad.

(2) **Director of Preparatory Education (DPREP)** – To offer Preparatory Programs to all aspiring entrants, applicants, students and children who wish to join or enter into the professional and other programs offered by the University in India and abroad.

(3) **Director of Training & Placement (DTRIP)** – To network with relevant national and international organizations and assist students of the University to seek better Training and Placement with Industry, Agriculture and Tertiary including Education, Entertainment, Service, Government and Non-Government sectors of the economy in India and abroad.

(4) **Director of Entrepreneurship Development (DENT)** – To network with relevant national and international organizations and assist students, faculties and staff of the University to develop entrepreneurship within themselves to venture into establishment of their own business in Industry, Agriculture and Tertiary sectors including own profession in Consultancy, Education, Entertainment and Service sectors of the economy in India and abroad.

(5) **Director of Women Education and Empowerment (DWEE)** – to network with relevant national and international organizations and offer programs and support towards achievement of 100% literacy and education of girls and women to enable them to become self-sufficient and sustainable in raising their children and living a respectable life.

(6) **Director of Rural Upliftment & Development (DRUDEV)** – to network with relevant national and international organizations and offer programs and support towards achievement of 100% literacy and education of rural people to enable them to become self-sufficient and sustainable in raising their standard of living and leading a respectable life.

(7) **Director of Fund Raising (D-FUND)** – To network with relevant national and international donor and funding individuals and organizations, and assist the University to secure necessary donations and funds from India and abroad.

(8) **Director of Campus Development & Security (D-CAMPUS)** – To develop, construct, maintain and generally look after all the works, cleanliness, beautification and security of the University Campus or Campuses and their faculties, schools, colleges, institutions, hostels, staff quarters / bungalows, gardens, parks, theatres and any other constituents including lands, buildings, furniture, fixtures, electrification, water, tanks, structures and other amenities.

(9) **Director of Sports, Physical Education and Recreation (D-SPORT)** – To organize and coordinate, for the benefit of students, teachers and employees, sports, athletics, physical education, medical, hygiene, recreation, festivals, expeditions, mountaineering, river rafting, air ballooning, parachuting,

– parasailing, flying, kite flying, go-karting, racing and other such programs, events and activities of the University and its constituents within University Campus, or in Chhattisgarh State or anywhere in India and the world.

(10) **Director of Public Relations, Entertainment and Media (D-PREM)** – To develop, manage and update website, eLearning, public relations, guest relations, publicity, printing and publishing of newsletters and magazines, advertising, entertainment, amusement and all media related programs, events and activities of the University and its constituents within University Campus, or in Chhattisgarh State or anywhere in India and the world.

s. **Distance Education** means the education / courses / programs offered to the students in off - campus mode. It includes system of imparting education through any means of communication such as written notes and materials, broadcasting by radio, TV, Mobile devices, Satellite, Robots; classroom contact programs, Internet, email, website, e–learning or the combination of any two or more of such means.

t. **Employee** means **Staff** and includes any person appointed by the University, and includes teaching and non–teaching employees of the University who are on the payroll of the University, and it does not include any casual, temporary, contractual ad-hoc employees or visiting experts and persons who may be engaged for a specific assignment or task.

u. **Estate Manager** means the officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

v. **Finance Committee** means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act and Section 18.0 of these First Statues.

w. **Financial Year** means the period commencing on the 1st day of April of any year and ending with 31st day of March of the following year, or any period as prescribed by the Governing Body.

x. **Fund** means the General Fund established under Section 7 of the Act and Section 23.0 of these First Statutes.

y. **Governing Body** means the Governing Body of the University constituted under Section 20 of the Act and under Section 11.0 of the First Statutes.

z. **Government** means the Government of the State of Chhattisgarh (India).

aa. **He** includes She and His includes Her, and vice-versa.

bb. **Head** means the person by whom a Department, School, Institution or Center of Excellence / Research / Consultancy is headed, and is an officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

cc. **Institute** means and includes institute, institution, school and college constituted as a part of the University or affiliated by the University to impart education in specified discipline(s) located within or outside the state of Chhattisgarh, in India and Abroad.

dd. **Librarian** and **Assistant Librarian** means the officers of the University created under Section 7 of these First Statutes.

ee. **Main Campus** means the Head Quarter Campus of the University, its own and affiliated Faculties, Institutes, Colleges and Schools located at Raipur or anywhere in the State of Chhattisgarh.

ff. **Manual of Instructions** includes all provisions, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities, and Officers of the University for the purposes of smooth functioning of the University.

gg. **Norms** means internal rules framed by the University based on its Statutes and Ordinances for facilitating its smooth operations and management.

hh. **Ordinances** mean the ordinances issued by the University as prescribed by section 27 and 28 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Ordinances.

ii. **Planning Committee** means the Planning Committee of the University.

jj. **Registrar means** the officer of the University created under Section 16 of the Act and Section 6 of these First Statutes.

kk. **Deputy Registrar and Assistant Registrar** mean the officer of the University created under Section 7 of these First Statutes.

ll. **Regulations** mean Regulations made under Section 37 of the Act.

mm. **Rules** mean the Rules made under Section 36 of the Act.

nn. **Sponsoring Body** means the Lulla Sairam Seva Society, GF-28, Millennium Plaza, Near Indian Coffee House, Raipur (Chhattisgarh) registered under the provisions of Chhattisgarh Societies Ragistrikaran Adhiniyam, and the said Society

is founded by Lulla Sairam Seva Trust, 'Sai Rachana', Piramitar Road. Dandia-Bazaar, Vadodara-390001 (Gujarat) for the purpose of smooth functioning and managing the affairs of Western India University, Raipur as per the Act.

oo. **Staff** means **employees** and includes any person appointed by the University, and includes teaching and non–teaching employees of the University who are on the payroll of the University, and it does not include any casual, temporary, contractual ad-hoc employees or visiting experts and persons who may be engaged for a specific assignment or task.

pp. **States means** the States of India.

qq. **Statutes** means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Statutes.

rr. **Student** means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University, an institute of the University, Schools, Study Centers, Research Centers, Training Centers and Colleges affiliated to or approved by the University.

ss. **Study Center** means Distance Education Centers set up and/or approved by the University under the advise of the Board of Management for imparting education in formal, non-formal or distance education mode in respect of any course/s offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by the University and located within or outside the state of Chhattisgarh in India and abroad. Such Study Centers shall be designated as University Study Centers (USC) or College Study Centers (CSC) or Village Study Centers (VSC). Such Study Centers shall function independently but within the framework of the University norms and guidelines framed from time to time. Such Study Centers for convenience may be designated as College Campus, Ahmedabad Campus, Bangalore Campus, Chandigarh Campus, Chennai Campus, Delhi Campus, Kolkata Campus, Mumbai Campus, Hyderabad Campus, Pune Campus, Vadodara Campus, Dubai (UAE) Campus, London (UK) Campus, Washington D.C. (USA) Campus, New York (USA) Campus, New Jersey (USA) Campus, Khartoum (Sudan) Campus, Omdurman (Sudan) Campus and so on.

tt. **Teacher** means a Professor, Reader, Lecturer, Visiting Professor / Fellow, Guest Faculty or Demonstrator, and may be full-time, part-time or on visiting basis.

uu. **University** means **Western India University** established under Section 5 of **the Act** and will have the same meaning as stated in Section 2 (f) of the **University Grants Commission Act 1956** as amended from time to time.

vv. **Vice Chancellor** means the Vice–Chancellor of the University appointed within the meaning of section 15 of the Act and Section 6.0 of these First Statues.

ww. **Visitor** means the Visitor of the University as defined under Section 13 of the Act.

ORDINANCE No. 1

ADMISSION OF STUDENTS TO THE UNIVERSITY AND THEIR ENROLMENT

(Under section 27(1) (a) of the Act)

1. Students will be admitted to the following types of programs from Academic Year 2003.

   a. Full-Time Class-Room teaching based Programs for Students at all levels from Under-Graduate and Post-Graduate Diploma, Graduate Degree, Post-Graduate and Ph D (Doctor of Philosophy).

   b. Part-Time / Evening / Weekend Programs for the Entrepreneurs, Working Executives / Managers / persons up to Post-Graduate level.

   c. External / Home-Study based Programs for all those, who don't have time to study in Class-Room but wish to qualify for a Degree / Post-Graduation by preparing at Home and appear directly for the Examination as an external student.

   d. Research based Programs including Ph D Programs.

2. **Admissions** will be conducted TWICE a year for regular programs, and **throughout the year** for Distance Education Programs for the coming Academic Session from year 2003. The Director (D-EDU) or Dean / Head of respective Faculties or Institutions will issue **the distinct Enrolment Number** only upon grant of Admission.

3. MBA, MCA and PhD (Management) have Entrance Test requirements as per the directives of Central / State Government and/or the Academic Council of the University from time to time.

4. Admission to PhD (Management) shall be through Research Aptitude Test (RAT) to be conducted by the University. Applicants who have cleared RAT from IIMs shall also be

eligible to apply. The University Faculty of Management & Entrepreneurship shall conduct the interviews. (IIMs have no role to play in the University Programs).

5. **Academic Sessions** will start TWICE a year from 1st **April and 1st October** to save Students' precious time and offer round the year education. The Academic Council may alter dates.
6. **Examinations** will be conducted TWICE a year at WIU main Campus as well as Off-Campus Study Centers all over India from **1 to 7 September** and **1 to 7 March of every year.** The Academic Council may alter dates.
7. All students will be the students of the **Western India University**, Raipur (Chhattisgarh) directly, and not the Study Center they apply through.
8. Applications for Admissions with copies of Certificates and other details, duly certified by a Gazetted Officer / Principal / Head of the College / University, if required, must be addressed and sent to the **Director, D-EDU, Western India University, Raipur (CG), or Dean / Head of respective Faculties or Institutions**, who will send the Admission records to the **Registrar** of University as directed.
9. For each Academic Program, an Applicant / Student must apply in *separate* prescribed **Student Application Form** or Online at the University website www.wiu.ac.in and send the original filled-in Application Form (in case of an online Application – send a print copy), duly signed and pasted with **two recent Passport size Photographs** of the applicant, **two self addressed stamped envelops** of 9 x 4 inch, and the necessary **Fees, i.e. Admission Fee, First Semester / Yearly Tuition Fee, and First Semester / Yearly Examination Fee upon grant of admission.**
10. **No Eligibility Certificate** is required for Programs offered by the University.
11. **Students may apply** for **ANY TWO distinct Academic Programs** at the same time, provided one or both of them are Part-Time / Weekend / External / Home-Study basis. The Academic Council may decide to offer any TWO Programs together or even Integrated Programs together to the students.
12. **All the Applicants** must have passed **all the previous standards / Degrees** from School Education Boards of a State / Central, or Universities recognized by any State or Central Government of India. Program duration and minimum qualifications at the time of Application (in bracket) for all Applicants / Students are mentioned below in general, and in **Ordinance No. 2** in particular. Some programs may have exceptional duration and Applicants' / Students' minimum qualifications:

   a. Ph D (Management): 2 years, Full-Time for MBA Applicants, i.e., 1 Year in MBA with same/New Specialization + 1 Year Research & Dissertation, or 3 years, Full-Time for any other Master Degree Applicants, i.e., 2 Years in MBA + 1 Year Research & Dissertation. (Minimum Total 10+2+3+2=17 years of study at the time of Application).

   b. Ph D (all other subjects): Minimum 2 years to maximum 5 years.

   c. Post-Graduate Degree Programs: 2 Years after Graduate Degree (after 10+2+3 = 15 Years of Study).

   d. Post-Graduate Diploma Programs: 1 Year after Graduate Degree (after 10+2+3 = 15 Years of Study in School).

   e. Graduate Degree Programs: 3 Years after 12th Standard (after 10+2 = 12 Years of Study).

   f. Graduate Honors Degree Programs: 4 Years after 12th Standard (after 10+2 = 12 Years of Study).

   g. Under-Graduate Full-Time Diploma Program: 3 Years or 2 Years after 10th or 12th Standard (10 or 12 Years of Study in School).

   h. Under-Graduate Part-Time Diploma Programs: 1 Year after 10th or 12th Pass (after 10 or 12 Years of Study as mentioned specifically).

   i. Certificate Programs: 1 Year after 10th or 12th Standard Pass or Fail. Knowledge of a particular language of the Program, ability to communicate in the medium of instructions (English / Hindi), reasonable level of intelligence and understanding are essential for successfully attending the program.

j. **Duration of study** by students in case of all programs may be extended by further two years on semester / yearly basis upon receipt of special application by the student with relevant fees, through Dean / Head of Institution / Director.

13. **Foreign / International Students** will have to satisfy additional criteria for equivalence of their education, and pay different fees in USD / EURO / any other currency prescribed by the University and/or Government of India from time to time.

14. **All Programs,** except MBA and PhD (Management), offer direct admissions *without* any Entrance Test. The **admissions will be based** on **merits (percentage / equivalent grade of marks** obtained at the last examination/s in reverse chronological order) as per the Minimum Eligibility criteria specified for each Program. The admission will be **open for normally 30 seats per Class** till the approved seats are filled **at the respective Study Center/s** of the University.

15. **External and Home Study Programs** have **no limitation** on number of seats.

16. The number of seats in each program and the medium of instruction will be as decided by the Academic Council from time to time.

    a. **Currently, most programs** are offered in **English, except Social Welfare and Arts Faculties Diploma / Certificate programs which are also offered in Hindi / Gujarati / Sindhi / other languages.**

    b. **Religion based programs from Certificate to Ph D levels may be offered in Hindi / Gujarati / Sindhi** at *select* Study Centers.

17. **Honors Degree Programs: (3+1 = 4 Years after 12th Standard Pass)**: The student must have passed the respective Bachelor Degree with minimum 50% Marks, and must apply for the Honors Program in the beginning or latest before end of the final year Degree program being perused. Those who wish to **upgrade** their **other University Bachelor Degree to WIU's Honors Degree** in the same subject may apply for **only Honors Program** in the same subject (1 year after Degree), if offered by the University.

18. **Admission of student/s will be cancelled** if any applicable fees are nor received by the University within prescribed dates.

19. **Fees once paid** to the University shall be **refundable** only if the student is found ineligible for admission to a particular program at a later date. Otherwise, the fees paid shall not be refundable, except on individual humanitarian ground to be decided by the Vice-Chancellor or his nominee for this purpose.

20. The University offers **credit transfer facility** to students who wish to take admission from other University / Institution, or seek admission under Lateral Entry Scheme for the Programs specified by the Academic Council.

21. No person, who is under sentence or expulsion or rustication from another University or Institution, shall be admitted to any course of the University during the period for which the sentence is in operation.

22. Any change, addition or modification in the record of the student shall be recorded in database maintained by the respective Faculty or institution under the supervision of the Head / Principal or Registrar and a Certificate to that effect may be issued to the applicant.

23. Under no circumstances shall any alteration be made in the University Certificate / Diploma / Degree and other documents issued in favour of the applicant, except by the Competent Authority.

24. **Competent Authority means** the University, Registrar or any other officer / committee appointed by the University for specific purpose/s.

ORDINANCE No. 2

COURSES OF STUDY FOR ALL DEGREE, DIPLOMA AND CERTIFICATE PROGRAMS

(Under Section 27(1) (b) of the Act)

1. The University may award the following Degrees, Diplomas and Certificates to students who have successfully completed the prescribed course / program of study in each case in accordance with the requirements laid down by the Academic Council from time to time.

2. The University may add new degrees / diplomas / certificates to those mentioned below or delete any of them with the approval of the Academic Council from time to time.

3. The University may also establish, as per the recommendation of the Board of Management or Governing Body, national and international collaborations / linkages with the Indian / Foreign Universities / Research / Consulting / Training / Academic Institutions / Industry / Entrepreneur Associations / Employment Exchanges to undertake collaborative Programs in Academic, Research, Consultancy, Entrepreneurship, Industrial, Business, Government, Social or Employment-oriented Programs of mutual interest.

4. The Academic council of the University may add / modify / delete and approve new programs, nomenclature, duration, course structure, subjects, fees and other facets of the courses / programs mentioned below or which may be prescribed in future.

5. The courses / programs shall be offered every year through a **Prospectus** and **the University Website,** containing prescribed **Student Application Form.**

6. The Academic Programs shall be developed, added and constantly updated with the help of reputed organizations and experts from India / abroad with Global perspective, approved by the Academic Council and ratified by the Board of Management from time to time: and therefore subject to change. The change may be communicated to people through the University website or any other mode including print material.

Professional GRADUATE AND POST-GRADUATE DEGREE PROGRAMS

Sr. No.	Program name	Program Duration	Minimum Eligibility*	Fees (Rs / Semester)
1.0	**Faculty of Management & Entrepreneurship**			
1	**BBA** *New Specializations*	3 Years, Full-Time	50% Marks in 12th Std.	7,500
2	**BBA (Travel & Tourism)**	3 Years, Full-Time	50% Marks in 12th Std.	7,500
3	**MBA** *New Specializations*	2 Years, Full-Time	50% Marks in any Bachelor Degree **+ Entrance Test***	12,500
4	**MBA (Travel & Tourism)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in any Bachelor Degree **+ Entrance Test**	12,500
	*Note: **MBA Entrance Test** means one of the 5 national level (CAT / MAT / JMET / ATMA / XAT) for all Applicants, or STATE LEVEL Common Entrance Test (CET) conducted for respective States' Students only, as per the Government directives from time to time. The MBA programs are Post-Graduate Degree programs, approved by the University.			
5	**MBA (Executive)** *New Specializations*	2 Years, ***Home-Study with Contact Programs***	50% Marks in any Bachelor Degree	7,500
6	**Ph D (Management)**	2 years, Full-Time (1 Year MBA New Specialization + 1 Year Research),**or**	50% in MBA Degree	12,500
6(a)		3 years, Full-Time (2 Years MBA + 1 Year Research)	50% in any Master Degree **+ Entrance Test (RAT)***	12,500

* Note: **RAT = Research Aptitude Test** conducted by WIU or IIMs. IIMs have no role to play in the University.)

2.0 Faculty of Computer & Information Technology (FACIT)

1	**B Sc (Bio-Informatics)**	3 Years, Full-Time	50% Marks in 12th Std.	7,500
2	**MSc (Bio-Informatics)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in a Bachelor Degree in Science / IT* Computer	12,500
3	**Ph D (Bio-Informatics)**	2 years, Full-Time	50% in Master Degree in Science / IT* / Computer	12,500
4	**B Sc Computer Science)**	3 Years, Full-Time	50% Marks in 12th Std.	7,500
5	**M Sc (Computer Science)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in a Bachelor Degree in Science / IT* / Computer	12,500
6	**Ph D (Computer Science)**	-- Do --	50% Marks in a Master Degree in IT* / Computer	12,500

* Note: IT = Information Technology

3.0 Faculty of Science & Technology (FAST)

1	**B Sc (Bio-Technology)**	3 Years, Full-Time	50% Marks in 12th Std.	7,500
2	**M Sc (Bio-Technology)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in a Bachelor Degree in Science	12,500
3	**Ph D (Bio-Technology)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in a Master Degree in Science	12,500

GRADUATE AND POST-GRADUATE DEGREE PROGRAMS

Sr. No.	Program name	Program Duration	Minimum Eligibility*	Fees (Rs / Semester)
4.0	**Faculty of Education (FED)**		10+2+3 = 15 Years of Study.	
1	**B Ed** (Private School Teachers)*	2 Years, Full-Time	50% in any Bachelor Degree or Pass Class in any Master Degree	7,500
2	**M Ed** (Private School Teachers)*	2 Years, Full-Time	50% Marks in B.Ed. Degree	7,500
3	**Ph D (Education)**	2 Years, Full-Time	50% Marks in M.Ed. Degree	7,500

Note: *B Ed and M Ed Programs are not Government recognized.

5.0 Faculty of Humanities & Social Sciences (FAHUM)

1	**BSW**	3 Years, Full-Time	Pass Class in 12th Std.	2,500
2	**MSW**	2 Years, Full-Time	Pass Class in any Bachelor Degree	7,500
3	**Ph D (Social Welfare)**	2 years, Full-Time	Min. 50% in MSW or any Master Degree	7,500

6.0 Faculty of Commerce (FACOM)

1	**DCP** (Diploma in Commercial Practice)	3 Years, Full-Time	Pass Class in 10th Std.	2,500
2	**B Com**	3 Years, Full-Time	Pass Class in 12th Std.	2,500
3	**B Com**	3 Years, ***External***	Pass Class in 12th Std.	1,500
4	**M Com**	2 Years, Full-Time	Pass Class in B Com / BBA	7,500
5	**M Com**	2 Years, ***External***	Pass Class in B Com / BBA	4,500
6	**Ph D (Commerce)**	2 years, Full-Time	50% in M Com in respective subjec' or Pass Class in MBA	/,500

7. Faculty of Arts, Religions, Fine Arts & Performing Arts (FARE)

	BJMC (Bachelor of Journalism and Mass Communication)	3 Years, Full-Time	Pass Class in 12th Std.	2,500
2	**MJMC** (Master of Journalism and Mass Communication)	2 Years, Full-Time	Pass Class in any Bachelor Degree	7,500
3	**B A**	3 Years, Full-Time	Pass Class in 12th Std.	2,500
4	**B A**	3 Years, ***External***	Pass Class in 12th Std.	1,500
5	**M A**	2 Years, Full-Time	Pass Class in any Bachelor Degree	7,500
6	**M A**	2 Years, ***External***	Pass Class in any Bachelor Degree	4,500
7	**Ph D (Arts)**	2 Years, Full-Time	Min. 50% in M A in respective subject	7,500
8	**Ph D (Religion / Jainism)**	2 Years ***External*** (Research-based)	Pass Class in any Master Degree	4,500

HONORS DEGREE PROGRAMS

Honors Degree Programs **(3+1 = 4 Years after 12th Standard Pass)** are prescribed for brilliant students and those wishing to go Global / Abroad.

All Graduate and Post-Graduate Degree Programs are **also offered as Honors Degree** Programs after completing one additional year (4th year) of **Practical Training / Working and Project Report** to be certified by the organization where the student visited / worked.

DIPLOMA & CRTIFICATE PROGRAMS

Program Title	**Post-Graduate Diploma in -**	**Diploma in -**	**Certificate in -**	**Medium of Instructions / Remarks**
Duration and No. of Semesters in each Program	**1 Year, *Part-Time* (2 Semesters)**	**1 Year, *Part-Time* (2 Semesters)**	**6 Months, *Part-Time* (1 Semester)**	Class-Room ***Plus*** Learning Material, Case Studies and Application
No. of Papers in each program	**5/7+Project**	**4/5+Project**	**2/3+Project**	Each Subject may have up to 10 Topics or more to learn in Modules.

Project Work / Training for all programs	**3 Months**	**3 Months**	**1 Month**	Preferably in an organization, willing to issue Certificate to the Student / Participant. / Or Center Director's Certificate required.
Minimum Eligibility for Admission for all programs	**Any Graduate Degree, Pass Class**	**12th Std. Pass Class**	**Any Person** having knowledge of medium of instructions (English / Hindi)	***No Entrance Test*** for any of these Programs.
Fees	**Please refer Faculty-wise details below.**			

DIPLOMA & CERTIFICATE PROGRAMS

Common Title of the Program	**Post-Graduate Diploma in -**	**Diploma in -**	**Certificate in -**	**Medium of Instructions**
1.0 Faculty of Management & Entrepreneurship				
Fees (Rs/Semester)	**5,000**	**5,000**	**3,000**	
1	Foreign Trade	Export-Import Management	Export Marketing & Management	**English for all programs of this Faculty**
2	International Business	--	--	
3	Insurance Management	--	--	
4	Insurance Marketing	Insurance Marketing	Insurance Marketing	
5	Bank Management	--	--	
6	Bank Marketing	Bank Marketing	Bank Marketing	
7	Healthcare Management	--	--	
8	Healthcare marketing	Healthcare Marketing	Healthcare Marketing	
9	Bio-Informatics	--	--	
10	Agri-Business	Agri-Business	Agri-Business	
11	Family Business & Entrepreneurship	Family Business & Entrepreneurship	Family Business & Entrepreneurship	
12	eBusiness	eBusiness	eBusiness	
13	Computer & Information Systems	Computer & Information Systems	Computer & Information Systems	
14	ERP and Supply Chain Management	--	--	
15	Amusement Management	Amusement Management	Amusement Marketing	
16	Travel & Tourism Management	Travel & Tourism Management	Travel & Tourism Management	
17	Finance & Accounting	Finance & Accounting		
18	Marketing Management	Sales Management	Direct Sales	
19	Human Resource	Human Resource	Personality Development	

	Management (HRM)	Management (HRM)		
20	Production Management	Production Management	Social Leadership	
21	Taxation	Taxation	Consumer Protection	

2.0 Faculty of Computer & Information Technology (FACIT)

Fees (Rs/Semester)	5,000	5,000	3,000	Medium of Instructions
1	Bio-Informatics			English for all programs of this Faculty
2	Computer Science	Computer Applications in Business & Office	Computer Applications in Office	

3.0 Faculty of Science & Technology (FAST)

Fees (Rs/Semester)	5,000	5,000	3,000	
1	Bio-Technology	Bio-Technology	Bio-Technology Orientation	English for all programs of this Faculty
2	Food Processing	Food Processing	Food Processing	

3.0 Faculty of Education (FED)

Fees (Rs/Semester)	2,000	2,000	2,000	
1	Education Management	Secondary Teachers Education	Primary Teachers Education	English for all programs of this Faculty
2	Education Technology	High School Teachers Education	Child Education	Hindi/Gujarati for Under Gradate and Certificate Programs
3	Special Child Education	Special Child Education	Special Child Education Orientation	

4.0 Faculty of Humanities & Social Sciences (FAHUM)

Fees (Rs/Semester)	2,000	2,000	2,000	
1	NGO Management	Social Welfare	*Adivasi* and *Vanvasi* Welfare	English / Hindi / Gujarati

6.0 Faculty of Commerce (FACOM)

Fees (Rs/Semester)	2,000	2,000	2,000	
1	International Accounting	Computerized Accounting	Basic Finance	English for all programs of this Faculty
2	--	--	Basic Marketing	
3	Personnel & Industrial Relations	--	Productivity Improvement	

7.0 **Faculty of Arts, Religions, Fine Arts & Performing Arts (FARE)**

Fees (Rs/Semester)	2,000	2,000	2,000	Medium of Instructions
1	--	Commercial Art	Commercial Art	English
2	Journalism & Mass Communication	Mass Communication	Journalism	English
3	--	English	English	English
4	--	Hindi	Hindi	Hindi
5	--	Gujarati	Gujarati	Gujarati
6	--	French	French	French / English
7	--	German	German	German / English
8	--	Russian	Russian	Russian / English
9	--	Dutch	Dutch	Dutch / English
10	Jainism & Comparative Religions	Jainism	Jainism & Non-Violence	English / Hindi / Gujarati

ORDINANCE No. 3

CONVOCATIONS

(Under section 27-(1) (c) of the Act)

1. Convocations for the purpose of conferring Degrees/Diploma shall ordinarily be held once a year at Raipur, Chhattisgarh or at such place(s), and on such date(s), as may be decide by the Vice -Chancellor in consultation with the Visitor;

   Provided that special convocation for conferring Honorary Degrees or degree/diploma or for other purpose may be held on such dates and on such times as decided by the Chancellor in consultation with the Visitor on the recommendation of the Governing Body.

2. The Visitor, when present, shall preside over all convocations of University and shall confer Degrees/Diploma. When the Visitor is not preset, the Chancellor shall preside at the Convocations of University and shall confer Degrees/Diplomas. The Vice-Chancellor shall preside at the Convocations of the University in absence of both, the Visitor and the Chancellor.

   Provided that the Governing Body, on the recommendation of the Chancellor, may invite a distinguished person to preside over Convocation.

3. The Governing Body, on the recommendation of the Chancellor, may invite a distinguished person to deliver the Convocation address at the Convocations.

4. The Vice-Chancellor shall present a report on the progress of the University at the Annual convocation.

5. The students who have passed their examination in the year for which the convocation is held, shall be eligible to be admitted to the convocation:

   Provided that in case the convocation is not held in a particular year for any reason, the Chancellor and the Vice-Chancellor shall be competent to authorize admission of successful students in that year to the respective Degrees/Diplomas, in absentia and issue the Degrees/Diploma on payment of prescribed fees.

6. The Academic Council shall, from time to time, determine as to the degrees which may be conferred in person and the degrees to be conferred in absentia, at the Convocation:

   Provided that the Vice-Chancellor or in absentia of the Vice-Chancellor, the Registrar, or

a person designated by the vice-chancellor for the purpose, may confer degree / diploma in advance of the annual convocation on students proceedings to universities abroad for further studies, or those requiring the same for their further academic and career development activities.

7. Such students as are unable to present themselves in person at the convocation shall, at their request, and on payment of the prescribed fees, be awarded the degree / diplomas. In absentia of the Vice-Chancellor, their Degrees/ Diplomas shall be issued by the Registrar, or a person designated by the Vice-Chancellor for the purpose.

8. The fees for admission to the Degree /Diploma in absentia shall be as decided by the Academic Council from time to time.

9. The Vice- Chancellor on recommendation of Academic Council shall determine the order of precedence and the academic costumes required at the convocations.

10. The procedure to be followed at the convocations shall be laid down by the provisions framed by the Academic council from time to time.

ORDINANCE No.4
AWARD OF FELLOWSHIPS, SCHLOARSHIPS, STIPENDS, MEDALS AND PRIZES
(Under section 27-(1) (d) of the Act)

1. (a) Outstanding and deserving students of needy parents will be eligible to apply for a scholarship as per the details beamed on the website from time to time. Students may also apply to Director (Distance Education), or respective Heads / Deans of the University giving details of family income and need for a merit cum mean scholarship. Such scholarships may be given at the sole discretion of the Vice Chancellor as per the policy recommended by the Scholarship Committee and approved by the Academic Council.

   (b) All awards of Fellowships, Research Scholarships and other Scholarships shall be made on the recommendation of a committee consisting of: -
   - (a) The Vice-Chancellor – as Chairman
   - (b) Directors, Deans and Heads
   - (c) The Registrar – as member - secretary
   - (d) The Chief Finance and Accounts officer
   - (e) Two subject Experts nominated by the Chancellor
   - (f) Two nominees of the sponsor organization.

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research and other Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of award of Fellowships shall be such as are laid down by the Academic Council of the University.
3. The value and duration of Research Scholarship instituted by the University shall be laid down by the Board of Management in consultation with the Academic Council.
4. The award of fellowships and research scholarship shall be made subject to the following conditions:
   - (i) The fellow / scholar will conduct whole - time research work under an approved guide on a subject approved by the University;
   - (ii) The fellow /scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary stipend etc. from any other source/s during the tenure of the award nor shall he/she engage himself / herself in any profession or trade during that period. He/she may, however, undertake teaching assignment of not more than nine hours a week in the educational institution of the University where he / she is conducting the research;
   - (iii) The fellow /scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the fellowship/ scholarship;

Provided that the Vice-Chancellor may, on the recommendation of the Guide, permit the Fellow / Scholar to join a Language or Management diploma course and appear in an examination therefor.

(iv) Unless permitted by the academic council to work for a specific period at some other place, the fellow /scholar shall be required to attend the institution where he / she is to work, on all working days,

(iv) If any information submitted by the fellow / scholar in his / her application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Academic council after giving him / her opportunity of being heard. If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the fellow / scholar has not been satisfactory, the fellowship / scholarship may be suspended or withdrawn.

(vi) (a) Leave for a maximum of 30 days in a year in addition to general holidays may be taken by a fellow / scholar with the permission of the Guide and the University. No other leave with fellowship/ scholarship shall be admissible.

(b) The fellow / scholar may, as a special case, be allowed by the University leave without fellowship / scholarship for a period not exceeding six months during the tenure of the award on the recommendation of the guide and approval of the Academic Council.

(vii) The fellow / scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he / she work.

5. Post - graduate scholarship instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and 10 months in the second year on condition that the scholarship holler produces a certificate of efficiency in studies from the head of the Department in the subject of study or the principal of the college / Institution.

6. If two or more candidates are eligible for the award of the last scholarship. The scholar ship shall be dived equally between the candidates concerned

7. The scholarship shall be tenable from the 1st of July if the scholarship holder joins within 10 days of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session In any other case, shall be tenable from the date on which the candidate is admitted to the institution of the University.

8. The payment of scholarship shall be made only on receipt of scholar's receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he/she studies. No scholarship shall be drawn for a month or semester or year unless the scholarship holder has attended the institution regularly in that month / semester / year.

9. The scholarship shall be paid in accordance with the procedure as made by the Academic Council of the University from time to time.

10. A scholarship shall be cancelled in the Final Year if the scholarship - holder fails to secure at least 60% marks in the Previous Examination of the concerned degree.

11. If a scholarship - holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March and April shall be paid only if the Head of the institution issues a certificate that the scholar diligently studied for the examination, but was unable to take the examination for reasons beyond his control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final Examination, provided the scholar passes the previous examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

12. A scholarship - holder shall at all times be of good behavior and observe all rules of discipline.

13. (1) A scholarship shall be liable to termination , if :

(i) The scholarship - holder discontinues studies during the middle of a session; Or

(ii) The scholarship - holder, after he/ she has been given a reasonable opportunity to explain his / her conduct, is, in the opinion of the Academic Council, guilty of breach of para 12 of this ordinance; and if the Academic Council so directs, the scholarship - holder shall also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him/ her.

(2) The order of termination passed by the Academic Council shall be final.

ORDINACE No.5

CONDUCT OF EXAMINATIONS

(Under section 27-(1) (e) of Act)

1. The Vice-Chancellor shall constitute the Examination Committee by recommending suitable persons for appointment as Examiners for various Examinations and for suggesting evaluation methods for each subject.
2. The Examination Committee shall consist of:
   i. The Vice Chancellor – Chairman
   ii. Controller of Examination – Member Secretary
   iii. Two Teachers from the faculty of the University.
   iv. Two experts nominated by the Vice Chancellor
3. The Examination Committee shall recommend a panel of examiners for each subject of the courses of the study to the Vice Chancellor.
4. The Vice Chancellor shall ordinarily appoint examiners from the panel recommended by the Examination Committee, or he may appoint examiners from out side the panel, if he deems it fit and necessary. Provided that only those person who have at least 5 years of teaching / academic / industrial / professional experience shall be eligible for inclusion in the panel.
5. The Controller of Examination shall appoint paper setters / Moderator / Examiners from amongst the panel approved by the Vice Chancellor.
6. The Vice Chancellor shall also appoint Members on the Moderation Board for a period of three years comprising of the following members for one or more courses;

   (a) Controller of Examination -Chairman
   (b) Professor of the Discipline concerned - Member.
   If there is no Professor, the senior most teacher in the discipline concerned.
   (c) Two experts in the discipline nominated by the Vice Chancellor
   Function s of the Moderation Board shall be:
   (a) To ensure that question paper is strictly in accordance with the course contents and the instructions, if any,
   (b) To remove ambiguity in the language of questions, if any.
   (c) To moderate the questions so as to give ample opportunities to students of varying abilities.
   (d) To ensure proper coverage of course contents and indicate weight age / marks for each question or part / parts their of, time prescribed and to correct error, if any.
7. Conduct of Examinations:
   (i) The term -end examination shall ordinarily be conducted twice a year in each course for each program on such dates in the months of March and September and at such places as may be notified by the University from time to time or on such dates, time and place as approved by the Vice - Chancellor. A student who has undergone the course of study for the required duration and who has submitted the required number of assignments and had appeared in all internal assessments, shall be eligible to appear at the term- end examination in the course concerned.
   (ii) For the first attempt of the paper, the student may not require to fill in the Examination form. But for the re- appearing papers, the student shall fill the reappearing form and forward the same to the controller of Examination of the University, with the requisite fees as approved by the Board from time to time within the limits of the time notified.

(iii) The University may allow a student to change the Examination Center provided he / she applies at least 15 days before the commencement of the examination on the prescribed form with requisite fee for the purpose.

(v) The University shall in accordance with the provisions and norms frame the conduct of examination for the purpose from time to time.

8. Rates of Remuneration to Examiners:

(i) The remuneration to be paid to paper setters, moderators examiners and evaluators of student's assignments, answer scripts, Project Reports etc. shall be as fixed by the Board of Management from time to time.

(ii) The remuneration to be paid to various categories of persons appointed for the conduct of examination/s shall be as prescribed by the Board of Management from time to time.

9. Evaluation of student performance:

The successful completion of a course / program of a study for the award of degree / diploma / certificate will be determined on the performance of students enrolled in the relevant course / program in the manner laid down in this Ordinance or by the Academic Council from time to time.

10. Method of Evaluation:

Unless otherwise specified, the performance of a student enrolled in a course/program will be assessed:

i) Continuously on the basis of assignments submitted by the students, internal assessment, seminars, presentations, group discussions etc.

ii) On the basis of an examination conducted at the expiry of the minimum duration prescribed for the concerned course / program;

iii) The University may also prescribe for course / programs, wherever appropriate, execution of specific project by the student, the successful completion of which is taken into account in the overall assessment of performance of the student; and

iv) In appropriate cases, the University may also prescribe field-work, research, seminars, practical, or any other technique / method for assessment to determine the levels of performance of student perusing different course / programs.

11. All above mentioned methods / techniques may form over all part of the term-end or year-end examination for the purpose of grading / marks of the student as approved by the Academic Council from time to time.

ORDINANCE No. 6

FEES

(Under section 27-(1) (f) of the Act)

The fees for various programs / courses of the University shall be determined by the Academic Council from time to time. The first time fees are mentioned in Ordinance No. 2 of the First Ordinances.

ORDINANCE No. 7

HOSTEL FACILITIES

(Under section 27-(1) (g) of the Act)

The Board of Management may decide to provide Hostel or Halls of Residence facility to the office-bearers, students, teachers and staff at the fees / rent and terms and conditions to be laid down from time to time.

ORDINANCE No.8

DISCIPLINE AMONG STUDENTS

(Under section 27 (1) (h) of Act)

1. **Disciplinary Control of an Examination Center:**

(i) During an examination the students shall be under the disciplinary control of the superintendent of the center who shall issue the necessary instruction. If a student disobeys instructions or misbehaves with any member of the supervisory staff or with any of the invigilators at the center, he may be expelled from the examination for that session.

(ii) The Superintendent shall immediately report the facts of such a case with fill details of evidence to the controller of Examination who will refer the matter to the Examination Discipline committee. The committee will make recommendations for disciplinary action as it may deem fit to the Vice - chancellor.

(iii) Use of Unfair means:
A student shall not use any unfair means in connection with any examination.

(iv) The following shall be deemed to be unfair means:

(a) Talking to another student or any person. Inside or outside the examination hall, during the examination hours without the permission of a member of the supervisory staff,

(b) Leaving the examination hall without delivering the answer book and or continuation sheet, if any, to the superintendent of supervisor concerned, and taking away, tearing off or otherwise dispensing off the same or any part there of.

(c) Waiting on any piece of paper, a question or matter connected with or relating to a question of saving a question on anything excepting the answer book of the continuation sheet supplied to the student.

(d) Using abusive or obscene language in the answer book.

(e) Deliberately disclosing one's identity or making any distinctive marks in the answer book for that purpose.

(f) Making an appeal to the Examiner through the answer book.

(g) Possession by a student of having access to books, notes, paper or. Any other material, whether written, inscribed engraved, of any 0there device, which could be of help or assistance to him in answering any part of the question paper.

(h) Concealing, destroying, disfiguring, rendering illegible, swallowing, running away with, causing disappearance or attempting to do any of these things in respect of any books notes , paper or other material or device , used or attempted to be used for assistance or help in answering a question or a part there of.

(i) Passing on or attempting to pass on, during the examination hours, a copy of a question, or a part there or, or solution to a question paper or a part thereof to any other student or to any person.

(j) Smuggling into the examination hall an answer book or a continuation sheet, or replacing or attempting to get replaced the answer book or continuation sheet during or after the examination with or without the help in connivance with any person connected with the examinations, or thought any other agency, whatsoever.

(k) Receiving or a temping to receive, with or without the help or in connivance with any member of the supervisory or other staff or any person, a solution to a question or to a part the of.

(l) Approaching or influencing directly or indirectly a paper setter, examiner evaluator, moderator, tabulator or any other person connected with the University examination with the object directly or indirectly, or influencing him to leak out the question paper or any part there of, or to enhance marks, or favorably evaluate, or to change the away in favour of the student.

(m) Any attempt by a student or by any person on his behalf to influence, or interfere with, directly or indirectly, the discharge of the duty of a member of the supervisory or inspecting staff of an examination center before, during or after the examination;

Provided that without prejudice to the generality of the generality of the Provision of the clause any such person, as is referred to therein who:

a. Abuses, insults, intimidate, assaults any member/s of the supervisory or inspecting staff, or threatens to do so:

b. Abuses, inducts, intimidates, assaults any other student or tends to do so: shall be deemed to have interfered with or influenced the discharge of the duties of he Supervisory and the inspecting staff within the meaning of the clause.

(n) Copying, attempting to Copy, taking assistance or help from any book, notes, paper or any other material or device or from any other student, to do any of these thing or facilitating of rendering any assistance to any other student to do any of these things.

(o) Presenting a Thesis, Dissertation, Practical or Class work notes - book wherever required, not prepared or produced by the student himself.

(p) Arranging to impersonate for any person, whosoever he may be, or impersonating for the student at the examination.

(q) Forge a decumbent or using a forge document knowing it to be forged in any matter relating to the examination.

(r) The Board may declare any other act of omission or commission to be unfair mean s in respect of any or all the examination.

(v) If the Controller of Examination and Vice-Chancellor is satisfied that there has been a mass-scale copying or use of unfair means, on a mass-scale at a particular center(s), he may cancel the examination of all the students concerned and order re-examination.

Note: Where the invigilator in-charge is satisfied that 25% or more students were involved in using unfair means or copying in a particular Examination / Hall, it shall be deemed to be a case of mass copying.

(vi) a) The Superintendent of the Examination Center shall report the Controller of Examination without delay and on the day of the occurrence , if possible, each case where use of unfair maenads in the examination is suspected or discovered with full details of the evidence in support there of and the statement of the students concerned, if any, on the forms supplied by the controller of examination for the purpose.

(b) The Student shall not be forced to give a statement but the fact of his having refused to make a statement shall be recorded by the superintendent and shall be got attested shall by two other members of the supervisory staff, on duty, at the time of occurrence of the incident.

(c) The student detected or suspected of using unfair mean in the examination may be permitted to answer the question paper but on separate answer book. The answer book in which the use of unfair means is suspected shall be seized by the Superintendent, who shall send both the answer books to the controller of Examination with his report, this will not affect concerned student appearing in the rest of the examination.

(d) All cases of use of unfair means specified in sub -clauses (d),(e), (i), (n),(o), and (q) of clause (iv) of cluse1 shall be reported immediately to the controller of Examination by the examiner , paper - setter , evaluator, moderator , tabulator or the person connected with the University examination as the case my be ,with all the relevant material.

2. Examination Discipline Committee:
   (a) All the cases of alleged use of unfair means shall be fevered to a committee called the Examination Discipline committee to be appointed by the Vice- Chancellor. The Dean (Discipline) will be Chairman of the Committee.
   (b) The committee shall consist of at least three but not more than five members drawn from amongst the reaches officers of the University.
   (b) A member shall be appointed for a term of two years, and shall be eligible for re- appointment.
   (d) Three members present shall constitute the quorum.
   (e) Ordinarily, the committee shall take all decisions by simple majority. If the members are equally divided the case shall, be referred to the Vice-chancellor, whose decision shall be final.
   (f) All decisions taken by the Examination Discipline committee will be placed before the Vice- Chancellor for approval.
   (g) A student may, within one month of the receipt of the decision of the University may appeal to the Vice- Chancellor. He, if satisfied that the representation merits consideration, may refer the case back to the Examination Discipline committee for reconsideration.
3. The Examination Discipline committee may recommend that:
   I. The Examination for the session or paper in respect of which a student is found to have used unfair means specified in sub- clause (a) and (b) of clause (iv) of clause 1 be cancelled.
   II. The Examination for the session or paper or entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub - clauses (c), (d), (e), and (f) of clause (iv) of clauses 1 be cancelled.
   III. The entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub- clause (g) of clause (iv) of clause 1 be cancelled and the student shall further be disqualified from appearing in any University examination for a period of one year.
   iv. The entire examination of a student in respect of which he is found to have used unfair means specified in sub - clauses (g) and (iv) of clause (1 be cancelled and the student shall further be disqualified from appearing in any University examination for a period of three years.

ORDINANCE No. 9

OTHER BODIES FOR IMPROVING STANDARDS OF THE UNIVERSITY

(Under section 27 (1) (i) of the Act)

1. **The Boards of Studies (for each program / subject)**
   (As per First Statutes para 14.5).

2. **The Boards of Advisors:**
   (i) **Global Advisors Board**
   (As per First Statutes para 15.1).
   (ii) **Board of Advisors**
   (As per First Statutes para 15.2).

3. **Examination Committee:**
   (As per First Statutes para 16.0).

4. **Results Committee:**
   (As per First Statutes para 17.0).

5. **Finance Committee:**
   (As per First Statutes para 18.0).

6. **Selection Committee:**
(As per First Statutes para 19.0).

7. **Standing Committee / Ad-hoc Committees and Enquiry Committees:**
(As per First Statutes para 20.0).

8. **Advisory Committees:**
(As per First Statutes para 21.0).

(i) Standards Committee:
The Management Board may constitute a Standards Committee to work on ISO: 9000 / ISO: 14000 or any other Academic Standards of India or abroad as it may deem fit, or recommended by the Academic Council or the Vice-Chancellor. The Vice-Chancellor shall decide the terms of appointment of Standards Committee.

(ii) Accreditation Committee:
The Board of Management may constitute an Accreditation Committee to work on National Accreditation Council (NAC) / Distance Learning Council (DLC) or any other Accreditation requirements of the University Grants Commission (UGC), Indira Gandhi National Open University (IGNOU) or any other relevant bodies of the Government of the State or India or abroad as applicable or recommended by the Academic Council. The Vice-Chancellor shall decide the terms of appointment of Accreditation Committee.

Note: These First Ordinances may be modified / added / deleted and New Ordinances may be formed and notified with the Government in future as and when required, as per the provisions of the Act.

ORDINANCE No. 10

COOPERATION AND COLLABORATION WITH OTHER UNIVERSITIES
(Under section 27 (1) (j) of the Act)

1. In view of up coming requirements of trained and skilled manpower within India and abroad, the University may establish, as per the recommendation of the Board of Management and in consultation with Governing Body, national and international collaborations / linkages with the Indian Universities / Foreign Universities / Research Centers / Societies / Trusts / NGOs / Consulting Organizations / Training Institutes / Academic Institutions / Industry or Entrepreneur Associations / Employment Exchanges etc. to undertake collaborative activities in the field of Academic, Research, Consultancy, Entrepreneurship, Industry, Business, Government, Social or Employment oriented Programs to harness tremendous potential of such Institutes for mutual benefits.
2. It will be an endeavor of the University to continuously improve and upgrade its programs to national and Global levels in cooperation with world-class institutes / experts.
3. Royalty or other remuneration payable to such institutes may be decided by the Academic Council and ratified by the Board of management from time to time and case-to-case basis.
4. In case any foreign institute / University seeking collaboration from the University; the Academic Council may consider and recommend the same on a case-to-case basis to the Board of Management for approval, which may approve or disapprove after consultation with the Global Advisors Board and Board of Advisors by meeting or circulation / email.

Note: The Board of Management of the University may add / modify / delete and approve First Ordinances or new Ordinances as per the requirements of the University from time to time under section 27 and 28 of the Act.

रायपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-195/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत आर. डी. यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 21 (इक्कीस) प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

STATUTE NO. 1

Short Title and Commencement

(Section 25 (1) & (5) of the Adhiniyam)

These Statutes be called the Ardee University First Statutes 2003 and shall come into force on such a date as the Chhhattisgarh government may , by notification , approve.

STATUTE NO. 2

Officers of the University

(Section 25(1) (a) read with section 12 (1) to (5) of the Adhiniyam)

The following shall be officers of the University, namely:-

1. The Visitor(The Hon'ble Governor of Chhattisgarh shall be the Visitor of the University)
2. The Chancellor
3. The Vice-Chancellor
4. The Registrar
5. The Chief Finance and Accounts Officer

STATUTE NO. 3

The Visitor

(Section 13 (1) to (3) read with SS. 25(1)(a), 12 (1) & 20 (1) (F) of the Adhiniyam)

The visitor's powers and duties as defined in the Act are as under:-

1. The Hon'ble Governor of Chhatissgarh State shall be the Visitor of the University.
2. The Visitor shall, when present, preside at the convocations of the University for conferring degrees and diplomas.
3. The Visitor shall have the following powers, namely,
   a) To call any paper or information relating to the affairs of the University.
   b) On the basis of the information received by the Visitor , if he is satisfied that any order, proceeding or decision taken by any authority of the University is not in conformity with the Adhiniyam, Regulations; Ordinance or Rules, he may issue such directions as he may deem fit in the interest of the University and the directions so issued shall be complied with by all the concerned.
4. One academician is to be nominated by the Visitor in the Governing Body of the University

STATUTE NO. 4

The Chancellor : Appointment, Powers & Duties

(Section 14 (1) to (4) read with Ss. 25(1)(d), 12 (2) & 20(1) (a) of the Adhiniyam)

1. The Chancellor shall be appointed by the sponsoring body for a period of three years, with prior approval of the Visitor . The incumbent person holding the post shall be eligible for re-appointment for a further term of three years.

2. The Chancellor shall be the head of the University

3. The Chancellor shall preside at the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside at the convocations of the University for conferring degrees or diplomas.

4. The Chancellor shall have the following powers, namely;

   (a) To call for any information or record.

   (b) To appoint the Vice-Chancellor .

   (c) To remove the Vice-Chnacellor .

   (d) Such others powers as any may be prescribed by the statutes as follows.

Additional powers of the Chancellor :

Besides the powers as listed under Section 14 (1) to(4) of the Adhiniyam, the Chancellor shall have following powers namely:

a) The Chancellor may appoint a person of high calibre of an academician and / or administrator as his Academic Advisor/ adminisrative and legal Advisor on payment of a fixed Honorarium and perquisites.

b) Any person can be appointed by the Chancellor to act as a Vice Chancellor in case of vacancy of the post of Vice Chancellor but this appointment shall not be for the period of more than ne year.

2. The Chancellor may constitute one or more committees as he deems necessary to help him in discharge of his obligations entrusted to him by or under the Adhiniyam.

3. The Chancellor shall be the Chair-person of the Governing body which will be the supreme authority of the University.

4. The Chancellor is empowered :

(i) to review decisions of other authorities of the University in case they are not in confomity with this Adhinayam, Rules, Statutes or Ordinances.

(ii) to approve the budget and annual report of the University.

(iii) to lay down the extensive policies to be followed by the University.

5. Proviso to sub clause (4) of class 15 contains that As per provision contained in section 15 (7) of the Adhiniyam , if any time upon representation made or otherwise and after making such enquiries as may be deemed necessary the Chancellor, by an order in writing stating the reasons therein, may ask the Vice-Chancellor to relinquish his office as from such date as may be specified in the order.

STATUTE NO. 5

The Vice-Chancellor : Appointment, Powers and Duties

(Section 25 (1) (b) read with ss 12 (3) & 15(1) to (6) of the Adhiniyam).

1. The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three persons recommended by the Governing Body and shall hold office for a term of four years, except in cases of liquidation of the University. Provided that, after expiration of the term of four years the Vice-chancellor shall be eligible for reappointment for another term not exceeding four years. Provided further he will ralinquish the charge at the age of 67 years. But he may hold the office for a period not exceeding six months in case his successor is not appointed.

2. The Vice-Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of various authorities of the University.

3. The Vice-Chancellor shall preside at the convocation of the university in the absence of both, the Visitor and the Chancellor.
4. If in the opinion of the Vice-Chancellor it is necessary to take immediate action on only matter for which powers are conferred on any other authority by or under this Adhiniayam, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter.

5. If in the opinion of the Vice-Chanceller any decision of any

authority of the University is outside the powers conferred by this Adhinaiyam, Statutes or Ordinances or is likely to be prejudicial to the interest of the University , he shall request the concerned authority to revise its decision within seven days from the date of his decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or falls to take any decision within seven days, then such matter shall be referred to the Chancellor and decision of the Chancellor thereon shall be final.

6. The Vice-Chancellor shall exercise such power and perform such duties as may be prescribed by Statutes or the Ordinances.

7. The Vice-Chancellor shall be whole time salaried officer of the University. He shall receive a fixed salary of Rs. 25,000/- per month plus other allowances, facilities, perquisites, office vehicle, telephone in his residence, etc. etc.

8. During the tenure of office the Vice-Chancellor shall be entitled to have a rent free furnished accommodation either maintained by the University or taken on leased rent .

9. The Vice-Chancelor shall be entitled to other benefits such as medical allowances and leave travel concessions as admissible to other University employees. He shall be entitled to Travelling allowance from place of his residence on his appointment as Vice-Chancellor and after relinqushment of the charge of his office to go back.

10. The Vice-Chancellor shall have power to constitute such committees, as he deems necessary to help him in the discharge of the duties entrusted to him by or under the Adhiniyam .

STATUTE NO. 6

The Registrar : Appoinment, Powers and Duties

(Section 25 (1)(a) read with SS 12(4) & 16(1) to (3) of the Adhiniyam).

1. No person shall be eligible for appointment as Regitrar unless he/she possesses the minimum qualification applicable to Professor's post and as the Governing Body may, from time to time, prescrible.

2. The Registrar shall be appointed, by the Chancellor on the recommendation of the Committee of selection appointed by the Governing Body, for a term of 5 years, on the basis of merit, from amongst the applicants called for the interview to the post. For this purpose, an advertisement will be published in one local and one national Dailies.

   Provided that the committee of Selection shall have power to recommend the name of a person who has not applied for appointment but was otherwise found suitable to the post.

3. The Registrar shall be fulltime salaried officer of the University. He shall receive salary in the pay scale prescribed by University Grants commission and admitted by the Governing Body from time to time or as mutually agreed by the Registrar and the Governing Body .

4. The Registrar shall be entitled to leave, leave salary allowance and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

5. The Registrar shall hold office till the pleasure of the Chancellor and Governing body or up to the age of 67 years as extended from time to time .

6. Powers and Duties of the Registrar :

A. Powers :

(a) subject to the approval of Governing Body, the Registrar shall have power to appoint Class III and Class IV employees of the University and shall exercise administrative and disciplinary control over them.

(b) On behalf of the Chancellor and Vice-Chancellor he shall be the spokesman of the University and its Bodies.

B. Duties : It shall be the duty of the Registrar :

i) To be the custodian of the records, the common seal and other property of the University, as the Governing Body shall commit to his charge.

ii) To issue all notices and agendas for covening the meetings of the Governing Body, the Board of Management, the Academic Council and other Authorities, Bodies and Committees declared by the Statutes and Authority of the University. He shall act as Secretary of all these Authorities, Boards and

Committees.

iii) To prepare minutes of all the meetings of all the Authorities , Bodies and Committees and shall execute the decision taken by them.

iv) To conduct all official correspondence of the University.

v) To arrange for superintendence of the examination of the University.

vi)

a) To apprise both the Visitor and Chancellor of the agendas of Governing Body, Board of Management and Academic council and make them available the minutes of the meetings of diffirent Authorities and Bodies.

b) To supply such other papers and informations as the Visitor and Chancellor may direct him from time to time .

(VII) To collect the income, donation etc. and disburse the payment and maintain the accounts of the University through the Chief Finance and Accounts officer of the University.

(VIII) To exercise all such powers as may be necessary or expedient to carry out the orders of the superior officers

of the University and various Authorities, Bodies and Committees.

(IX) To discharge such other functions as may be assigned to him from time by the Chancellor and Vice-Chancellor as well.

(X) To perform such other duties as may from time to time, be entrusted to him by the Statutes, Ordinances, Regulations and Resolutions of the Authorities.

STATUTE NO. 7

Chief Finance & Accounts Officer Appointment, Powers and Duties

(Section 25 (1)(c) read with Ss. 12(5) & 17(1) & (2) of the Adhiniyam)

1. The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Chancellor on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Governing Body for a term of 5 years or up to the age of 67 years, whichever is less from amongst the applicants applying for the post. For this purpose, the vacancy is to be advertised in one Local and one National Daily.

2. No person shall be eligible for appointment as Chief Finance and Accounts Officer unless he / she possesses the qualifications laid down by the Governing Body for the post from time to time.

3. The Chief Finance and Accounts Officer shall be full time

salaried officer of the University. He shall receive salary in the pay scale prescribed for the State University Finance Officer.

4. The Chief Finance and Accounts Officer shall be entitled to leave, leave salary, allowances and other benefits as may be prescribed by the University for its employees.

POWERS AND DUTIES :-

A. POWERS :

The Chief Finance and Accounts Officer shall have the power to ask for any information or returns on fiscal matters from any office or institution of the University, that he may consider necessary for proper performance of his duties.

B. DUTIES :

It shall be the duty of the Chief Finance and Accounts Officer :-

(i) To hold and manage the property and investments of the University including society and endowment property.

(ii) To ensure that the limits to be fixed by the Board of Management for recurring and non-recurring expenditure for the year are not exceeded and that entire money is spent for the purpose for which it is granted or allocated.

(iii) To keep a constant watch on the cash and bank balances vis-à-vis the investments.

(iv) To collect the income, disburse the payments and maintain the accounts of the University.

(v) To be accountable for the preparation of annual accounts and budget of the University.

(vi) To get the accounts of the Univesity regularly audited. He is supposed to be Internal Auditor also.

(vii) To ensure that the registers and files pertaining to land including buildings, furniture, equipments, vehicles, etc. are maintained up-to-date and the stock checking is conducted regularly in all Offices and Institutions maintained by the University.

(viii) To suggest appropriate action against persons responsible for unauthorized and wasteful expenditures and for other financial irregularities.

(ix) For the duties, as narrated above, he shall be accountable to the Vice Chancellor and shall seek directions from him from time to time.

STATUTE NO. 8

Other Officers of the University
Terms & Conditions of their Appointment

(Section 25 (d) read with Section 12(6) & S. 18)

of the Adhiniyam)

The following shall be other officers of the University :-

i) Advisors to the University

ii) Deans / Directors / Heads of Departments

iii) Librarian

iv) Direct Physical Education

v) Deputy Registrar

vi) University Engineer / Estate Officer

vii) Assistant Registrar

viii) Deputy / Assistant Librarian

ix) Any other officer, as per exigency to be appointed by the Chancellor

2. The University may opt for one or more posts in the above categories, as per need and requirement, with the approval by the Governing Body.

3. The qualifications / eligibility for appointment of an Officer to the respective post shall be determined by the Governing Body.

4. The Officers shall be whole time salaried employees of the University and they shall draw salary as per norms of the University Grants Commission or as per State Universities.

5. The Governing Body shall prescribe the qualifications and eligibility conditions for each category of officers to be recommended by the Selection Committee of respective discipline.

6. The mode of publishing the vacancies through news papers shall be adhered to for inviting applications for the appointment of the officers also as mentioned above.

On receipt of the applications, the Governing Body shall appoint a Selection Committee, which shall interview the candidates and prepare a panel of candidates to the concerned post and then the Governing Body shall make the appointment

from the panel prepared by Selection Committee.

Provided that the Selection Committee can recommend the name of a person who is otherwise eligible for the post even though he / she could not submit an application vide advertisement.

7. The Officer appointed shall execute an agreement and follow the terms and conditions and regulations of the Unversity.

8. The Officers so appointed shall be entitled to the leave, allowances and other benefits prescribed by the University for its employees, from time to time.

9. The powers and duties of the Officers shall be such as the Governing Body may determine from time to time.

STATUTE NO. 9

Conditions of Services of University Employees

(Section 25 (1)(e) of the Adhiniyam)

1. Definition and Applicability

Save as otherwise provided in the Adhiniyam and Statutes the provisions of this Statute shall apply to all the Employees of the University.

(a) In this Statute

(i) "Pay" means the amount of monthly basic salary of the employee and shall not include any special or additional pay granted to him and any other emoluments, which he

shall draw as allowances and other persequites.

(ii) "Average Pay" means the average monthly pay earned during the ten completed months immediately preceding the months in which the employee shall proceed on leave or will be suspended.

(iii) "Vacation post" means a post involving teaching assignment and the teachers shall be entitled to winter and summer vacations.

2. Classification of Posts, Appointment, Terms & Conditions :

(a) The different posts in the University shall be classified and shall carry the scales of pay as per norms of Government of Chhattisgarh.

(b) The teachers and the Officers of the University shall be appointed by the Chancellor with approval of the Governing Body.

(c) The power to appoint Class III, Class IV work charge and contingency paid staff of the University shall be delegated to the Registrar by the Vice-Chancellor.

(d) Save as otherwise provided in Statutes and the ordinances the qualifications of the post in various categories shall be determined by the Governing Body from time to time.

(e) The channel of promotion and percentage of the post to be filled by promotion shall be prescribed by the Governing Body

from time to time. All promotions shall be made on the basis of seniority-cum-merit and performance appraisals.

3. Adhoc or temporary appointment may be made on a temporary post on in leave vacancy by the Vice-Chancellor for a term not exceeding one year with the approval of the Chancellor.

4. The appointment made by the Chancellor shall be continued till his pleasure.

5. The whole time Univesity employee shall be at the disposal of University and he may be assigned duties in any manner required by the proper authority without claim of additional remuneration.

6. The Board of Management may permit a University employee to perform a specified service for a private person, body or Government and to receive remuneration thereof in the form of fee, if it is satisfied that this will be done without detriment to his official duties or responsibilities.

Provided that 50% of the amount so earned shall be credited to dthe general fund of the University.

7. The Head of the Section / Department / Institute under whom the employee is working shall submit to Registrar in the prescribed proforma, a confidential report every year, on the basis of performance, not later than 30th April of the employee of the preceding year ending on 31st March.

8. Every employee shall be required to undergo a term of one year as probationer before his confirmation on the post. The confidential report and the opinion stating the employees fitness or otherwise for confirmation in service shall be submitted to the Registrar by the Head of concerned Section or Department or Institute, where the probationer is working atleast one month before the date of expiry of the probation.

Provided that the probationary period be reduced by the Chancellor on the basis of special proficiency.

9. If the appointing authority is not satisfied with dthe conduct of the employee on probation his probation shall be extended or services may be terminated. In case of termination of the services of the employee on probation one month's notice shall be given to him or in lieu of notice he will be paid one month's salary. The probationer may also terminate the engagement by giving one month's notice or one month's salary of the University or Centre.

10. If the probationer is appointed by promotion and his work and conduct is not found satisfactory the appointing authority may revert him to the post held by him before such promotion but such reversion shall not be deemed as a penalty.

11. A temporary appointment may be terminated by either party without assigning any reason by giving to the other party one month's notice or one month's salary in lieu thereof. No

such notice of payment of salary shall be necessary in case of termination of service of work charge or contingency paid employee.

12. Even person appointed on permanent post under University by promotion or through direct recruitment shall on satisfactory completion of his period of probation shall be eligible for confirmation in the post.

13. A permanent employee shall be required to give 3 months notice in case he wishes to resign or he shall pay to University 3 months salary in lieu of such notice. If the Univesity terminates the services of a permanent empoyee a notice to that efect shall be served on him, 3 months before the date on which he is to be relieved. In the absence of such notice the University shall pay him 3 months salary. Such notice shall not be necessary if the employee is removed from the service, dismissed or compulsarily retired, due to grave financial irregularities, embezzlement etc.

Provided that the affected employee shall be given an opportunity to explain about his misconduct or otherwise before his removal or dismissal from service. The Chancellor shall be the final authority in such cases and his decision shall be binding.

14. Before leaving the University service, an employee whether appointed temporarily or on probation or permanently shall hand over the charge of his post to the employee duly authorized to receive charge and shall return to the University all articles entrusted to him for his use and clear

all dues outstanding against him and obtain a certificate of "NO DUES".

15. All the University employees shall be entitled to leave, as per the leave rules framed by Board of Management and approved by the Governing Body.

Suspension, Penalty and Disciplinary Authority :-

The University employee shall be embraced by the Conduct Rules like the rules essential for the Government Servant. These are detailed as below : -

(1) The appointing authority may by an order place an employee under suspension : -

(a) When disciplinary proceedings against him is contemplated or is pending

OR

(b) On confirmation of a prima facie case against an employee on charges of financial irregularities and / or unethical activities detrimental to the interest of the University.

OR

(c) Where a case against him in respect of any criminal offence is under investigation inquiry or trial.

(2) An employee shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority

(a) With effect form the date of his detention, if he is detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours.

(b). With effect from the date of his conviction if in the event of a conviction for an offence, he is sentenced to imprisonment and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to conviction.

(3) An order of suspension made or deemed to have been made, shall continue to remain in force until it is modified or removed by the appointing authority.

16. The services of a university employee may be terminated on any of the following grounds :

(a) Wilful neglect of duty

(b) Misconduct / indiscipline

(c) Physical and Mental unfitness

(d) On the abolition of post held by him

(e) Conviction by a Court of law for an offence involving Moral turpitude

18. (1) The appointing authority may for good and sufficient reasons, impose on an employee the following penalties :

(a) Censure

(b) Recovery from his pay, whole or part of any pecuniary loss caused to the University by negligence or breach of order by the employee.

(c) Withholding the increments of pay

(d) Reduction to lower time scale or pay, grade or post.

(e) Compulsory retirement

(f) Removal from service

(g) Dismissal from service

The penalties explained as above shall be applicable on all classes of employees. Reasonable fine may be imposed on class IV employees for petty carelessness, unpunctuality etc. instead of harping on strict stringent action.

(2) The appointing authority may institute the disciplinary proceeding against the employee in accordance with the procedure laid down by the Governing Body and as per Conduct Rules.

19. Where the penalty is imposed by the Registrar the employee may prefer an appeal to Vice-Chancellor within thirty days from the date of which orde is served on the employee. In case of the action by Vice-Chancellor the appeal shall be preferred to the Chancellor.

20. The appellate authority may confirm, enhance, reduce or set-aside the penalty imposed with such directions as it may deem fit in circumstances of the case.

21. The employee of the University or Centre under suspension shall not be granted leave of any kind except the medical leave on the certificate of the Superintendent of Government Hospital / Medical College Hospital.

22. (a) An employee under suspension is entitled for the first year of suspension to subsistence allowance at one half of the amount of leave salary which he would have drawn under the leave rules, if he had been on earned leave and in addition dearness allowance, if admissible on such leave salary. Provided that where the period of suspension exceeds one year, the authority, who ordered the suspension, -(a) shall increase the amount of subsistence allowance by an amount not exceeding 50% of the amount paid during the first year, if the period of suspension has prolonged for reasons not attributable to the University employee

O R

(b) may reduce the subsistence allowance by a suitable amount not exceeding 50 per cent of the amount paid during the first year, if the period of suspension has been prolonged due to reasons directly attributable to the University employee.

(c) He shall also be entitled to any other allowances admissible from time to time on the basis of pay if the employee continues to meet the expenditure for which they are granted.

No payment shall be made unless the employees furnishes a certificate that he is not engaged in any other employment, business, profession or vocation.

23. When a University employee who has been dismissed, removed or suspended, is reinstated, the authority competent to order reinstatement shall make a specific order.

a) regarding the pay and allowances to be paid to the employee for the period of his absence from duty; and

b) whether or not the said period shall be treated as period spent on duty for all purposes.

24. Miscellaneous Provisions as to Conduct Rules :

Every employee of the University shall at all times;

(a) Maintain absolute integrity

(b) Show devotion to duty

(c) Show respect to national anthem; and

(d) Do nothing which is unbecoming of an employee of the University

25. No employee shall join or continue to be member of such association, the objects and activities of which are prejudicial to the interest of the University or public order, decency or morality.

26. No employee shall -

(i) participate in public protests / Dharanas / Hartal / demonstration prejudicial to the interest of the University,

(ii) resort to any violence,

(iv) participate; edit and take up mamagement of any print or electronic media without prior sanction of the competent authority of the University.

(v) take any employment elsewhere either full time or part time without prior sanction from the University.

27. Any infringement of paras 24 to 26 of this Statute shall be regarded as subversive of discipline and misconduct and the authorities shall be justified to initiate the disciplinary action against such employee.

UNIVERSITY TEACHERS

1. Teachers of the University shall be of two classes, namely : -

   a. Appointed teachers of the University, and

   b. Recognised teachers of the University.

2. Appointed teachers of the University shall be either;

   a. Employees of the University paid by th Univesity and appointed by the Chancellor as Professors, Associate Professors, Assistant Professors or Lecturers or otherwise as teachers of the University, or

3. Recognised teachers of the University shall be :

   a. members of the staff of a recognised college of the University, or

   b. members of the staff of a recognised Institution / Centre providing courses of study approved by the University.

SPECIAL MODE OF APPOINTMENT TO TEACHING POSTS FOR A FIXED TENURE

1. Notwithstanding anything contained in this Statutes Board of Management may invite a person of high academic distinction and professional attainments to accept a post of Professor or Associate Professor, Assistant Professor or any other academic post in the University, as the case may be, on such terms and conditions as it deems fit and on the person agreeing to do so appoint him to the post.

2. The Board of Management may appoint a teacher or any academic staff working in any University or organisation for undertaking a collaborative and joint project.

3. The Board of Managedment may appoint a person for a fixed tenure on such terms and conditions as it deems fit.

STATUTE NO. 10

The Procedure for Arbitration to resolve Disputes

(Section 25 (1)(f) of the Adhiniyam)

1. In the event of dispute arising between the employee and the employer, with respect to service matters, e.g. appointment and salary etc., on the request of the employee the Vice-Chancellor shall cause appointment of an Arbitrator who will not be below, the rank of District and Session Judge . The Arbitrator so appointed shall listen to both the parties and pronounce his award.

2. The Board of Management shall consider the award and act as per directions of the Arbitrator to resolve the dispute.

3. If either of the parties, i.e. employee or the employer, is not satisfied with the award, it may approach the Chancellor within 30 days of the receipt of the award with the plea to appoint a tribunal.

4. The tribunal shall consist of following members :

   i. A nominee of the Chancellor, not connected with the University, who will act as the Chairman.

   ii. A nominee of the aggrieved employee, and

   iii. A nominee of the Board of Management

5. The decision taken by the tribunal shall be final and binding on both the parties. No appeal can be filed in any Court of Law against the decision of the Tribunal.

6. In case of disputes arising betweent the University and the contractors employed or engaged on contract basis, the Chancellor shall be the Sole Arbitrator and no Court of Law shall interfere with the decision of the Chancellor as Sole Arbitrator.

STATUTE NO. 11

The Conferment of Honorary Degrees

(Section 25 (1)(g) of the Adhiniyam)

1. A proposal for conferring of honorary degree shall be made by Academic Council.

2. The proposal shall be placed before a Committee consisting of the Vice-Chancellor, a nominee of the Chancellor and a nominee of the Visitor.

3. If the Committee unanimously recommends that a honorary degree be conferred on the person on the ground that he or she is, in its opinion, a fit and a proper person to receive such degree, its recommendation shall be placed before Governing Body. After the nod of the Governing Body, the proposal shall be put up to the Chancellor.

4. The Chancellor shall modify the citaqtion admitting the recipient to the Honorary Degree in a suitable manner and then send the proposal to the Visitor (The Governor of the State) and on getting approval from the Visitor the person shall be intimated and invited to the convocation for conferment of the honorary degree either at the regular convocation or a special convocation held for the purpose.

STATUTE NO. 12

Exemption from Tuition Fee & Award of Scholarship

(Section 25 (1)(h) of the Adhiniyam)

1. The University shall make provisions for awarding fellowships, scholarships and stipends from its own sources and follow up action will be taken under the terms and conditions of the award as laid down in the ordinance made under section 27(1)(d) of the Adhiniyam.

2. The assistance obtained from the Central Government, State Government or any other authority, funding agency etc. towards meeting full or in part any amount towards fee otherwise payable by students belonging to Schedule Castes, Scheduled Tribes, other backward classes or economically weaker sections of the Society shall be disbursed strictly as per directions of the authorities providing such assisance.

3. The Registar and the Chief Finance and Accounts Officer of the University will ensure that the students get the stipend exactly as per the directions of the funding agency.

4. With the prior permission of the State Government, the University may approach the endowments, trusts and eminent persons for contribution towards the award of Gold Medal to the Topper Students of different faculties.

STATUTE NO. 13

Policy of Admission including Reservation of Seats

(Section 25 (1)(i) of the Adhiniyam)

1. The admission of varioius courses shall be made exactly in order of merit made on the basis of the marks obained at the qualifying examination.

Provided that in the courses the University decides to admit the students on the basis of the entrance test held either by the University or by any body / agency on behalf of the University and the admission shall be granted on the basis of merit secured at the entrance examination.

2. The reservation of seats of each institution / center in each course of study shall be as per rules framed for the reservation of seats for SC/ ST/ OBC and other categories by the Government of Chhattisgarh and Govt. of India as well as from time to time.

Provided that if seat of any reserve category remains vacant due to non-availability of the eligible candidates in that category it shall be deemed as general and the enrolment will be done on the basis of order of merit before the last date for admission.

3. The Chancellor and Vice-Chancellor each shall have the power to allow at least one admission to each course subject to a maximum of 2% of the total seats available in that Course but in such case also, the yardstick of minimum marks required for admission shall not be relaxed.

STATUTE NO. 14

Provisions Regarding Fee to be Charged From the Students

(Section 25 (1)(j) of the Adhiniyam)

1. Admission Fee as decided by the Board of Management shall be taken from each student with 50% relaxation to privileged class of pupil and to the economically weak, provided they submit the required certificate to this effect.

2. The fee for each course of study shall be calculated for each student on the basis of total expenditure in running that course vis-à-vis the seats earmarked for the course. This fee shall be charged in the form of tuition fee and fee for practicals.

3. Each student shall also be required to pay the mandatory charges towards enrolment fee, examination fee, etc. as per rules of the University.

STATUTE NO. 15

Provisions Regarding Number of Seats in Each Course

(Section 25 (1)(k) of the Adhiniyam)

1. In each course, the maximum number of students admitted shall be 80 at the University teaching department and at its different centres also the prescribed number of enrolment shall not be exceeded in the certificate, diploma and degree courses in each discipline.

2. At the Post-Graduate degree level, each discipline shall have a maximum strength of 80 students only.

3. The other faculties and some centres will be opened in the subsequent sessions on the basis of the infrastructural facilities available and the intake in each faculty may be increased.

STATUTE NO. 16

The Governing Body

(Section 19(1) read with SS. 25 (2) & 20(1) to (4) of the Adhiniyam)

1. The Governing Body of the University shall consist of the following, namely :-

   a) The Chancellor - Chairperson

   b) Vice-Chancellor

   c) Three persons nominated by the sponsoring body;

d) One representative of the State Government

e) An educationist of repute to be nominated by the State Government

f) One academician to be nominated by the visitor.

2. The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body.

3. The Governing Body shall be the supreme authority of the University and shall have the following powers, namely : -

   a) To review the decisions of othe authorities of the University in case they are not in conformity with this Adhiniyam, Rules, Statutes or Ordinances;

   b) To approve the budget and annual report of the University;

   c) To lay down the extensive policies to be followed by the University;

   d) To take decision about the voluntary liquidation of the University.

4. The Governing Body shall meet at least twice in a calendar year.

5. Seven days clear notice with agenda shall be given to every member for the meeting by the Governing body.

6. Atleast four members excluding the Chairman of the Governing Body shall form the quorum for the meeting .

7. No policy matter shall be decided in the meeting in which atleast one member from clause (d), (e) and (f) of sub section (1) of Section 20 in present.

Provided that in next meeting in Governing body can take such decision even through no member under items (d) (e) of sub section (1) of Section 20 in present.

STATUTE NO. 17

The Board of Management

(Section 19(2) read with Section 25 (1)(a) & 21(1) to (3) of the Adhiniyam)

1. The Board of Management shall consist of the following members, namely : -
   a) Vice-Chancellor-Chairperson
   b) One representative to be nominated by the State Government;
   c) Two representatives to be nominated by the Sponsoring Body;
   d) Senior most Professor of the University.

2. The powers and functions of the Board of Management shall mainly be as follows : -

   i) where any such action taken by the Vice Chancellor affects any person in the service of the University such person shal be entitled to prefer, within three months from the date on which such action is communicated to him / her, an appeal to the Board of Management and the

Board of Management may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice-Chancellor.

ii) The Statutes of the University other than the first statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.

iii) All ordinances other than the First ordinances shall be made by the Academic Council with the approval of the Board of Management.

iv) The Annual report of the University shall be prepared by the Board of Management which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfilment of the objects and shall be approved by the Governing Body and a copy of the same shall be sent to the visitor.

v) The Annual accounts and balance sheet of the University shall be prepared under the directions of the Board of Management and the annual accounts shall be audited at least once every year by the Auditors' appointed by the University for this purpose.

vi) The Authorities of the University constituted by or under this Adhiniyam may make regulations subject to the provisions of this Adhiniyam, the statutes and the ordinances of the University. The Board of Management may modify or annul any regulations made under this section by any authority;

Provided that any authority which is not satisfied with any modification or annulment may appeal to the Governing Body whose decision in this matter shall be final.

STATUTE NO. 18

Academic Council

(Section 22 read with Sections 19(3) and 20 of the Adhiniyam)

1. (a) The Academic Council shall be the principal Academic body of the University and shall consist of following members:

(i) Vice-Chancellor -Chairman.

(ii) Deans/Heads of faculties of the University

(iii) Chairmen, Board of Studies

(iv) Professors of the University

(v) Two Lecturers of the University nominated by the Vice-Chancellor in rotation by seniority.

(vi) Registrar Secretary (Ex-officio)

(b) One third of total members of the Academic Council shall form the quorum

(c) The Academic Council shall have the power to co-opt two members having special knowledge or experience in the subject matter of any particular business, which may come before the Council for consideration. The Member so co-opted shall have all the rights of the members of the Council.

(d) All the members of the Academic council other than ex-officio members and members referred in sub-para (c) shall hold the office for a term of three years .

2. The Academic Council of the University shall perform the following duties:

(i) To exercise general supervision over the academic policies of the University and to provide directions for method of instructions, cooperative teaching for the improvement of academic standards.

(ii) To consider matters of general academic interest and to take appropriate action in this regard.

(iii) To make proposals for the institution of fellowships, scholarships, studentships, exhibition, medals and prizes and to make rules for their awards.

(iv) To prescribe qualification for recognition of persons as teachers of the University and to acord such recognition.

(v) To make arrangments for the conduct of examinations and arrange for the publication of the results

(vi) To prescribe the qualifications for the award of Certificates, Diplomas and Degrees.

(vii) To recognize eminent persons of any subject as Honorary professors and recognise them Research Guide in that particular subject

STATUTE NO. 19

Standing committee of Academic council

(Section 23(1) of the Adhiniyam)

1. The Academic Council may appoint a standing Committee composed of the following members :

(i) Vice-Chancellor	-Chairman
(ii) Deans/Heads of Faculties	-Member, and
(iii) Registrar	-Secretary

2. The Standing Committee may invite such other persons not more than three as it may deem fit for any particular meeting.
3. The meeting of the Committee shall be summoned under the direction of the Vice-Chancellor.
4. The committee shall render advice on the equivalence of examinations in consultation with the faculty concerned and such matters as may be referred to by the Academic council, the Governing Body or the Vice-Chancellor.
5. It can dispose off any matter of Academic Council and report it at the next meeting of the Council.

STATUTE NO. 20

Other Authorities

(Section 23 of the Adhiniyam)

A) Planning Board

The Planning Board shall consist of the following members,

namely ;

a) the Vice Chancellor – Ex-Officio-Chairman

b) one Deanof Faculties

c) One Professor to be nominated by the Vice-Chancellor

d) Two eminent Scholars to be nominated by the Vice-Chancellor

e) Two members from the "Sponsoring Body" the Ardee Educational Society.

2. The Registrar shall act as Secretary of the Board.

3. Five members of the Board shall form a quorum for a meeting.

4. The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall be responsible for;

i) reviewing the educational programmes offered by the University;

ii) organising the structure of education in the University so as to provide opportunities to students to offer different combinations of subjects appropriate for the development of personality and skills for useful work in society,

iii) developing new teaching-learning processes which will combine the lectures, tutorials, seminars and other teaching aids, self-studies and collective practical projects-

5. The Planning Board shall have the power to advise in the light of the objective given in the Act, on the developmet of the University and review the progress implementation of programmes so as to ascertain whether they are on the lines recommended by it and shall also have the power to advice the Board of Management and the Academic Council on any matter in connection therewith.

6. The Planning Board may constitute such committees as may be necessary for planning and monitoring the programmes of the University.

B) FINANCE COMMITTEE

The Finance Committee shall consist of the following : -

a) Vice Chancellor-Ex-Officio-Chairman;

b) The Registrar;

c) Chief Finance & Accounts Officer

d) Three persons noiminmated by the Board of Management, out of whom at least one shall be a member of the Board of Management .

e) Two persons nominated by the Chancellor; and

f) Three Members nominated by sponsoring body – Ardee Educational Society.

2. The Finance Officer shall act as Secretary of the Finance Committee.

3. Five members of the Finance Committee shall form a quorum for the meeting.

4. All the numbers of the Finance Committee – other than ex-officio members shall hold office for a term of three years.

5. The Finance Committee ordinarily shall meet every quarter to examine the accounts and to scrutinize proposals for expenditure, within the approved budget.

6. All proposals relating to creation of posts and those items which have not been included in the budget shall be examined by the Finance Committee before they are considered by the Board of Management.

7. The annual accounts and the financial estimates of the University prepared by the Finance Officer shall be laid before the Finance Committee for consideration and comments and thereafter submitted to the Board of Management for approval.

8. The Finance Committee shall, recommend limits for the total recurring expenditure and the total non-recurring expenditure for the year, based on the estimated income and resources of the University.

C) FACULTIES :

Section 23 read with S. 25(1)(d) of the Adhiniyam provides for the faculties of the University :

a) The ARDEE UNIVERSITY shall have the following faculties :

i) Faculty of Law;

ii) Faculty of Technology;

iii) Faculty of Management;

iv) Faculty of Distance Education;

v) Faculty of Education;

vi) Faculty of Arts (Fashion, Fine arts etc.)

vii) Faculty of Commerce;

viii) Faculty of Computer Education;

ix) Faculty of Medical Sciences (Physiotherapy & other Para-medical courses)

x) Any other faculty as approved by the Board of Management

Each Faculty ordinarily shall consist of the following members, namely ;

i) Dean of Faculty - Chairman

ii) All Chairmen of the Boad of Studies of the respective subjects

iii) All Professors in the Faculty;

iv) One Reader / Associate Profesor and three Lecturer, by rotation according to seniority, from each Department in the Faculty shall be nominated by the Vice Chancellor.

v) One Reader / Associate Professor concerned by rotation according to seniority, from each College / Centre . Provided that the College / Centre provides instruction in any of the

subjects assigned to the Faculty.

vi) Persons not connnected with the University and having expert knowledge of the subject or subjects co-opted by the Faculty, not more than two for each Department of the Faculty;

vii) One persons nominated by the Vice-Chancellor for his special knowledge of any subject assigned to the Faculty or any allied branch of knowledge.

1. All members of the Faculty, other than ex-officio members, shall hold office for a term of three years.

Members of the first Faculty shall be nominated by the Vice-Chancellor and shall hold office for a period of two years.

2. The powers and functions of the Faculty shall be;

i) to recommend courses of studies in the various subjects comprised in the Faculty after considering the recommendations of the Boards of Studies;

ii) to recommend the Academic Council after considering the recommendations of the Boards of Studies concerned the names of examiners in the subjects assigned to the Faculty;

iii) to constitute such and so many Boards of studies as there are departments teaching subjects included in the Faculty.

iv) To make such recommendations to the Academic Council on any question pertaining to their respective spheres or work as may appear to them necessary or on any matter referred to them by the Academic Council.

v) To make Regulations laying down the procedure to be observed at the meetings, the constitution of the Boards of Studies and other relevant matters.

3. The conduct of the meetings of the Faculty and the quorum required shall be as follows :

i) a) the meeting of the Faculty may be convened by the Dean concerned whenever he considers them necessary. He shall call a meeting at least once a term and also on rreceipt of a requisition signed by not less than one-third of the total number of members.

Provided that a meeting required to be called on a requisition shall not be convened during the period when the University is closed for vacations;

b) the requisition shall state the purpose / purposes for which the meeting is to be called.

c) at a meeting called on requisition no matter other than the purpose or purposes will be discussed.

ii) Except in the case of emergent meeting not less than seven days notice shall be given. The notice shall state the time and place of the meeting as well as the business

to be transacted and shall be issued by the Registrar.

iii) The quorum for the meeting shall be one-third of the members of the Faculty.

D. BOARD OF STUDIES :

1. Each Department shall have a Board of Studies.

2. Each Board of Studies shall consist of the following members namely;

   i) Head of the Department - Chairman

   ii) All Professors in the Department

   iii) One Reader / Associate Professor nominated by the Vice-Chancellor.

   iv) One Lecturers nominated by the Vice-Chancellor amongst the Centres under the control of the University.

3. All the members of the Board of Studies shall hold office for a term of two years from the date of appointment.

4. The quorum for the meeting shall be one-third of the membrers of the committee. But if a meeting is adjourned for want of quorum , for the adjourned meeting, no quorum shall be necessary.

5. The functions of a Board of Studies shall be to make recommendations;

   i) In regard to the Courses of study and appointment of examiners for, under graduate, post graduate courses .

ii) Appointment of supervisors of research; and

iii) Measures for improvement of the standard of the under graduate & post graduate teaching and research.

E. THE SELECTION COMMITTEE FOR RECRUITMENT OF DIFFERENT POSTS IN SENIOR POSITION.

1. There shall be Selection Committees for making recommendations to the Chancellor for appointment to the post of Professor, Associate Professor, Assisant Professor, Lecturer, Registrar, Finance Officer, Librarian and other officers.

2. The Selection Committee for each category of post shall be manned by three representatives of the sponsoring body – Ardee Educational Society besides the other members as follows :

a. Professor -

i. Vice Chancellor-Chairman

ii. The Head of the Department if he is a Professor

iii. One Dean of School of Studies to be nominated by the Vice-Chancellor

iv. Three subject experts not connected with the service of the University, nominated by the Vice-Chancellor for their special knowledge or interest in the subject.

b) Associate Professor/ Assistant Professor	i) Vice Chancellor-Chairman
	ii. The Head of the Department concerned .
	iii. One Professor of the concern department to be nominated by the Vice-Chancellor
	iv. Two persons not connected with the University, nominated by the Vice-Chancellor for their special knowledge or interest in the subject.
c) Registrar / Finance & Account Officer	i)Vice Chancellor-Chairman
	ii) Three members of Governing Body
	iii) One member of the Board of Management
	iii) One person not in the service of University, nominated by the Vice-Chancellor who has special knowledcge in the field.
	iv) One person not connected with the University, who has special knowledge of the subject of Library Science / Library Administration to be nominated by the Vice-Chancellor.

d) Librarian

i) Vice Chancellor-Chairman

ii) Three members of Governing Body

iii) One member of the Board of Management.

iv) One person not in the service of University, nominated by the Vice-Chancellor who has special knowledcge in the field.

3. In absence of Vice Chancellor, a member of selection Committee authorized by the Vice Chancellor shall preside over the meeting.

4. The Selection Committee shall submit its recommendation to the Chancellor for suitable action in the matter of appointment to different category of posts.

STATUTE NO. 21
Other Provisions

A. Annual Report and Annual Accounts

As per Section 29 of the Adhiniyam, the Annual Report of the University shall be prepared by the Board of Management which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfilment of its objects and shall be approved by the Governing Body and a copy of the same shall be sent to the Visitor. A copy of the Annual Report shall be presented to the State Government also. According to Sec. 30 of the Adhiniyam the Annual accounts and balance sheet of the University shall be prepared under the directions of the Board

of Management and the annual accounts shall be audited at least once every year by the Auditors appointed by the University for this purpose.

A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submited to the Governing Body.

A copy of the annual accounts, audit report along with the observations of the Governing Body shall be submitted to both the Visitor and the State Government.

The direction of the State Government on the subject arising out of the accounts and audit report of the University shal be binding on the University.

B. Administration of Endowments

The Board of Management may accept donations for the creation of an endowment to be administered as may be prescribed by the ordinances.

C. Admission of Colleges, Institutions, Study Centers / Partner Institutions (for distance learning programme) and halls to the privileges of the University and withdrawal thereof)

1. The University may esablish and maintain such Colleges, Institutions, Study Centres / Partner Instutitions (for distance learning programme) and Halls as may be decided upon by the Board of Management from time to time.

2. The Organisational conditions of maintenance and management of such Colleges, Institutions, Study Centres / Partner Institutions (for distance learning programme) Halls shall be prescribed by the Ordinances.

D. Regulations

According to Section 37 of the Adhiniyam

1. The authorities of the Univesity may make Regulations consistent with the Adhiniyam, the Statutes and the Ordinance of the following maters, namely;

   i) Laying down the procedure to be observed at their meetings and the number of members required to form a quorum;

   ii) Providing for all matters which are required by the Act, the Statutes or the Ordinance to be prescribed by Regulations;

   iii) Providing for all other matters concerning such authorities or committees appointed by them and not provided for by the Act, the Statutes or the Ordinances.

2. Every authority of the University shall make Regulations providing for the giving of notice of the members of such authority, of the dates of meeting and of the business to be considered at meetings for the keeping of a record of the proceedings of meetings.

3. The Board of Management have power to approve or reject the regulations or may direct the amendment in such manner as it may specify, or any Regulation made under the Statutes or the amendment of any such Regulation.

E. Institution of Fellowships, Stipend Medals or Prizes

1. The Board fo Management may, on the recommendation of the Academic Council, and out of the funds of the University or funds received from Government or any other Donor or Agencies, institute Fellowships, Scholarships, Stipends, Medals or Prizes for the recognition, promotion or encouragement of studies, research or any other desirable quality in education.

2. The award shall be made on the recommendation of committee appointed for the purpose.

3. The appointment of the Committee and its member for conferring the awards shall be provided by Ordinances.

F. Provident Fund

The provision of the Employees Provident Fund Scheme 1952 under the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 will be applicable mutatis mutandis to the employees of ARDEE UNIVERSITY for their benefit. Any amendments in the Act by the Central Government will also apply mutatis mutandis.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 8 जनवरी 2004

क्रमांक 9 अ/82/2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्ड्रारोड	नगवाही	10.57	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मरवाही मुख्यालय, पेण्ड्रारोड.	अपरंखुज्जी जलाशय मुख्य नहर हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 फरवरी 2004

क्रमांक 01/अ-82/03-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मस्तूरी	देवरी	0.50	महाप्रबंधक, एन.टी.पी.सी. सीपत	एन. टी. पी. सी. सीपत एम. जी. आर. निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ. वि. अ. (राजस्व), बिलासपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विकासशील, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 20 जनवरी 2004

क्रमांक क/वा./अ.वि.अ./03 अ-82, 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 का उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उक्त भूमि के संबंध में भू-अर्जन अधिनियम 1894 की धारा 17 को उपधारा (1) के उपबंध लागू है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	अभनपुर	उपरवारा प. ह. नं. 137	49.72	संचालक, पुरातत्व अभिलेखागार, संग्रहालय, राजभाषा एवं संस्कृति रायपुर, छत्तीसगढ़.	पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय हेतु अनिवार्य भू-अर्जन.

रायपुर, दिनांक 16 फरवरी 2004

क्रमांक 93/क/भू-अर्जन/4/अ/82 वर्ष 2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	भाटापारा	धौराभांठा प. ह. नं. 7	1.131	डिप्टी चीफ इंजीनियर (सी) एच. क्यू. सेन्ट्रल इस्टर्न रेल्वे बिलासपुर (छ. ग.)	रेल्वे हेतु तीसरी लाईन बिछाने बाबत.

रायपुर, दिनांक 17 फरवरी 2004

क्रमांक 95/क/भू-अर्जन/5/अ/82 वर्ष 2001-2002.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	भाटापारा	भाटापारा	1.489	डिप्टी चीफ इंजीनियर (सी) एच. क्यू. सेन्ट्रल इस्टर्न रेल्वे बिलासपुर (छ. ग.)	रेल्वे हेतु तीसरी लाईन बिछाने बाबत.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विवेक देवांगन, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 13 दिसम्बर 2003

क्र. 19/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा
- (ख) तहसील-जैजैपुर
- (ग) नगर/ग्राम-जैजैपुर, प. ह. नं. 14
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-5.032 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
859/1, 893/2	0.158
859/17, 860/8	0.234
859/3, 859/7	0.097
893/1	0.080
894	0.044
895	0.004
897/9	0.024
896	0.020
898/1	0.012
900/1	0.004
900/2	0.004
901	0.036
902/1, 902/2	0.012
2461	0.008
905	0.028

(1)	(2)
906	0.028
907/1	0.040
907/2	0.004
908	0.020
909	0.068
915/1	0.012
915/2	0.012
915/3	0.012
915	0.012
915/5	0.012
915/6	0.012
916/1	0.020
915/1	0.053
916/2	0.012
917/2	0.061
917/4	0.121
952	0.049
953	0.036
954	0.020
955	0.020
956	0.012
957	0.028
958	0.028
960	0.012
961	0.004
969	0.014
972/1	0.016
972/2	0.008
972/3	0.004
973/1	0.045
973/2	0.045
973/3	0.008
991	0.045
987/2	0.057
987/1	0.065
986	0.028
992/1	0.081
992/2	
1013	0.012
1016	0.012
5182	0.016
5505/1	0.012
1014	0.028
1017	0.024

(1)	(2)
1018	0.024
1019	0.020
1021	0.020
1020	0.026
1022	0.016
1027	0.016
1023/1	0.016
1023/2	
1024	0.004
1026	0.040
1028	0.008
1029	0.004
1030	0.008
1031/1	0.020
1032/1	
1033/1	
1031/2	0.020
1032/2	
1033/2	
1031/3	0.020
1032/3	
1033/3	
1034	0.024
1180	0.008
1176	0.020
1181	0.004
5176/1	0.032
1182	0.004
1183	0.004
1184	0.016
1189	0.008
1190	0.012
5169/1	0.004
1191	0.045
1192/1	0.020
1192/3	0.020
1194	0.040
1197	0.032
1195/1	0.010
2376	0.004
2377	0.016
1185	0.006
1186	

(1)	(2)
2378	0.024
2379	0.012
2386	0.008
2390	0.008
2387	0.008
2385	0.016
2395	0.024
2397/1	0.023
859/14 860/5	0.242
2396	0.012
2397/2	0.012
5867/2	0.049
2397/3	0.158
2397/5	0.006
2429	0.028
2430	0.004
2462/1	0.012
2486	0..006
2462/2	0.012
5200/1	0.024
2432	0.014
2471	0.012
2433/1	0.006
2434	0.006
2458 2459	0.018
5171/1	0.016
2463	0.012
2464	0.008
2484	0.008
2485	0.012
2490	0.006
2491	0.042
2607/3	0.316
5166/1 5166/2	0.049
5167/2	0.022
5167/1	0.022
5168	0.073
5170/1	0.016
5170/2	0.032
5170/3	0.006
5176/2	0.016
5177/1	0.006
5177/2	0.012
5178/2	0.016
5179	0.016
5180	0.024
5184/2	0.016
5185/1	0.038
5185/2	0.057
-5187-	0.004
5199/1	0.014
5200/2	0.036
5203/1	0.012
5483/1 5484/1	0.008
5483/2 5484/2	0.008
5485	0.085
5486	0.271
5506/3	0.008
5867/2	0.049
910	0.004
899/2	0.004
5169/1	0.014
5187	0.006
5188	0.012
5189	0.004
893/4	0.004
5199/2	0.012
2482/1	0.032
2482/2	0.036
2482/3	0.032
1640/1	0.036
1057/1, 2	0.008
2607/1, 2	0.020
164	0.010
1642	0.023
1643	0.023
1640/2	0.040
1178/1	0.008
1640/3	0.040
योग 151	5.032

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-परसाडीह वितरक नहर निर्माण हेतु (पूरक).

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चाम्पा, दिनांक 16 दिसम्बर 2003

क्र. 36/सा-1/सात.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-जांजगीर-चांपा
- (ख) तहसील-जैजैपुर
- (ग) नगर/ग्राम-जैजैपुर, प. ह. नं. 14
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.989 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
5489/1	0.006
5489/2	0.006
5884/2	0.008
5877/2	0.004
5877/3	0.113
5877/4	0.008
5878	0.113
5885/1, 5885/3	0.004
5879	0.040
5907/1	0.004
5907/2	0.036
5912	0.036
5914	0.008
5918	0.008
5975	0.004
5973/3	0.012
5972	0.012
5974/1	0.041
5971/2	0.024
1915	0.004
5937/1, 5937/2	0.032
5938/1	0.008
5942/1	0.085
5949	0.008
5950/1	0.073
5953/1, 5953/2	0.049
5956/2	0.174
5881, 5882, 5883	0.012
5948/7	0.008
5885/2	0.049
योग 30	0.989

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बरदूली शाखा वितरक नहर.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10022/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-राजनांदगांव
- (ग) नगर/ग्राम-जोशी लमती, प. ह. नं. 55
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-11.75 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
14/1	0.04
14/4	0.55
14/3	0.30
15/3	0.21
16/3	0.20
16/2	0.19
16/1	0.20
16/4	0.03
18/2	0.18
56/2	0.10
57	0.54
53/3	0.04
59/4	0.40
59/2	0.05
69/1	0.28
69/7	0.21
193/3	0.17
193/1	0.10
191/1	0.03
70/3	0.55
247/3	0.15
247/4	0.07
247/1	0.17
177/1	0.21
249/31	0.21
249/11	0.39
249/61	0.18
249/1	0.16
235/2	0.35
235/4	
235/1	0.09
235/3	
231/1	0.59
245	0.38
249/9	0.51
249/3	0.26
249/6	0.53
192/1	0.15
249/8	0.35
249/10	0.08
192/2	0.06
249/7	0.33
178	0.65
194	0.06
253/1	0.03
253/7	0.028
249/12	0.30
249/14	0.21
249/15	0.22
15/2	0.09
56/3	0.32
योग 49	11.75

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलिगारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण-भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), के कार्यालय राजनांदगांव में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10030/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-राजनांदगांव
- (ग) नगर/ग्राम-पटानढोढ़गी, प. ह. नं. 55
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-15.25 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
[illegible]	0.02

(1)	(2)
49/4	0.23
574/5	0.10
49/2	0.24
49/1	0.02
58	0.13
59	0.10
43/1 ङ	0.45
43/1 क	0.50
83	0.07
85/2	0.15
77/2 ख	0.17
512/3	0.02
74	0.23
82/1	0.07
84/9	0.10
537, 538, 539	0.17
88/1	0.17
616	0.35
87/1	0.68
87/2	0.15
101/2 ख, 101/3 ख	0.17
485/2 ख	0.16
358/3	0.17
358/4	0.18
363/2	0.15
366	0.07
446/1 ख	0.25
446/1 ग	
447/1	
362/2	0.12
369/1	0.78
369/8	0.15
369/11	0.11
374/3 ग	0.18
369/6	0.20
375/3	0.04
382/4	0.21
382/1	0.10
380/3	0.21
380/6	0.30
420	0.13
419/2	0.08
393/4	0.35
419/1	0.20
419/3	0.07
603/2 क	0.25
394/2 क	0.14
619/1 क	0.13
394/2 ख	0.11
619/1 ख	0.21
603/2 ख	0.48
393/2	0.13
393/3	0.26
393/4	0.26
432/1, 433/2	0.10
511	0.07
617/1	0.34
618	0.15
614/1	0.03
614/6	0.13
614/7	0.15
614/11	0.15
618/8	0.14
613/2	0.17
613/1	0.17
544	0.17
644/1	0.13
646/1	0.13
527	0.09
647	0.15
645	0.10
528	0.10
545, 546, 547	0.14
526	0.05
444	0.13
464	0.21
465	0.03
603/1	0.05
510	0.09
535/1	0.12
574/1	0.31
573/1	0.05
574/4	0.28
485/2 क	0.13
485/1	0.14
574/3	0.41

	(1)	(2)
	509	0.02
	43/1 ग	0.15
योग	87	15.25

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलियारी जलाशय के अंतर्गत उलट नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण-भू-अर्जन अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10032/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-राजनांदगांव
(ख) तहसील-राजनांदगांव
(ग) नगर/ग्राम-थैली टोला, प. ह. नं. 55
(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.93 एकड़

	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
	(1)	(2)
	261/2	0.30
	262/1 ख	0.35
	269/1	0.57
	286/1	0.30
	286/2	0.32
	289	0.24
	288/2	0.14
	287	0.13
	270/2	0.34
	270/1	0.02
	270/3	0.17
	288/1	0.05
योग	12	2.93

(2) सार्वजगिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलियारी जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण-भू-अर्जन अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10034/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-राजनांदगांव
(ख) तहसील-राजनांदगांव
(ग) नगर/ग्राम-कोलियारी, प. ह. नं. 56
(घ) लगभग क्षेत्रफल-10.54 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
351/7 दु.	1.54
355	0.92
356	1.75
342	0.70
336/5	0.51
338	0.46

(1)	(2)
324	0.05
337	1.05
326	0.15
336/1	0.50
336/2	0.30
334	1.60
327	0.10
329	0.10
354/5	0.81
योग 15	10.54

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलियारी जलाशय के अंतर्गत उलट नाली हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10036/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-राजनांदगांव
- (ग) नगर/ग्राम-हर्राटोला, प. ह. नं. 56
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.47 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
1/1	0.68
2	0.21
8/2	0.65
13/2	0.80
13/1	0.65
21/1	0.03
2[illegible]	0.45
18/1	0.48
18/2	0.44
17	0.03
14	0.05
योग 11	4.47

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलियारी जलाशय के अंतर्गत नहर नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण-भू-अर्जन अधिकारी राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 31 दिसम्बर 2003

क्रमांक/10038/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-राजनांदगांव
- (ग) नगर/ग्राम-चिरचारीकला, प. ह. नं. 57
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-11.31 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
[illegible]	0.98

(1)	(2)
165/1	1.51
168/2	0.49
168/4	0.46
172/2	0.25
170	0.55
147	0.06
556	0.18
555	0.23
552	0.15
523/1	0.61
517	0.27
516	0.20
515	0.18
508	0.02
509	0.24
511	0.29
510/1	0.36
510/2	0.22
531	0.80
542	0.11
541	0.27
545	0.10
534	0.02
535/2	0.15
536/1	0.07
536/4	0.07
538	1.27
474/1	0.22
473/2	0.03
622/1	0.08
624/2	0.50
625	0.22
626	0.15
योग 34	11.31

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-कोलियारी जलाशय के अंतर्गत मुख्य नहर नाली निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय राजनांदगांव में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. एस. मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 29 जनवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 02/अ-82/03-04.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-रायगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-कोतरा, प. ह. नं. 9
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-15.815 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
293/1	0.150
328	0.315
305/1ख	0.093
309/1	0.089
300/2	0.210
340/3	0.032
289/4	0.085
293/4	0.138
308/1	0.101
309/3	0.024
313/1	0.028
317/1	0.275
331/2	0.141
293/2	0.162
293/3	0.069
301/1	0.020

(1)	(2)	(1)	(2)
308/3	0.049	299/4	0.085
309/2	0.020	327/4	0.042
307/1	0.243	299/3	0.081
331/1	0.142	327/5	0.042
293/5	0.295	300/3	0.121
301/2	0.073	304/1	0.178
309/4	0.186	302/1	0.028
309/5	0.227	316/1	0.053
313/2, 317/3	0.227	320/5	0.008
294/1	0.158	344/3	0.049
323/1	0.097	322/1	0.081
294/2	0.170	302/3	0.077
296/1	0.458	344/2, 345/3	0.227
296/2	0.040	343/3	0.077
297	0.040	302/5	0.024
310	0.397	341/3	0.040
299/2	0.170	341/2	0.020
300/1	0.061	316/3	0.057
325/4	0.036	318/1 घ	0.041
300/4	0.061	320/6	0.081
325/5	0.036	344/5, 345/4	0.129
302/2	0.077	302/8	0.024
322/3	0.049	322/7	0.085
395/1	0.166	292	0.121
349	0.061	346/2	0.069
346/1	0.020	343/1	0.073
343/2	0.077	344/4, 345/2	0.049
302/4	0.028	302/7	0.024
320/3, 321/3	0.122	320/2, 321/2	0.138
322/2	0.085	322/6	0.085
340/1	0.093	345/5	0.036
302/6	0.028	303/1 ख	0.073
316/2	0.053	338/2	0.101
320/1, 321/1	0.162	325/1	0.113
320/4, 321/4	0.057	305/1 क	0.028
322/5	0.045	326/1	0.089
333	0.162	326/6	0.089
334/1	0.061	306/1 क	0.062
352	0.121	306/1 ब	0.031
298/1	0.328	337/1	0.092
303/1 घ	0.077	306/3 ख	0.045
299/1	0.081	315/1	0.154
327/2	0.042	311/4	0.101

(1)	(2)
332/2	0.018
318/1 क	0.093
322/4	0.045
295/2	0.081
325/3	0.089
325/6	0.073
326/2	0.053
347	0.154
289/3	0.101
291/4	0.101
291/6	0.142
351/1	0.113
343/4	0.076
303/1 क	0.073
311/3	0.089
325/2	0.093
338/1	0.162
332/4	0.131
303/1 ग	0.077
338/3	0.081
326/4	0.093
305/1 ग	0.032
305/1 घ	0.032
326/5	0.093
315/2	0.154
306/3 क	0.045
311/1	0.045
332/1	0.103
312/1	0.121
314	0.401
323/2	0.283
324	0.150
348/1	0.069
348/2	0.089
327/3	0.065
326/3	0.093
289/1	0.142
289/5	0.063
291/1	0.012
344/1	0.198
350/1	0.150
339/3	0.045
342	0.057
337/3	0.131
350/2	0.145
350/3	0.150
341/5	0.081
336/1	0.071
327/1	0.065
336/2	0.072
330	0.085
329	0.105
327/6	0.060
339/2	0.134
योग 164	15.815

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है--विंध्याचल स्टेज III के तहत 400/220 के. बी. उपकेन्द्र हेतु भू-अर्जन.

(3) उक्त भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 14 जनवरी 2004

क्रमांक 2016/02/अ-82, 2002-03 भू-अर्जन/सन् 2004.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का संमाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(i) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-दुर्ग

(ख) तहसील-बालोद

(ग) नगर/ग्राम-गोड़पाल, प. ह. नं. 11

(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.26 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
399 टू.	0.26
योग 1	0.26

(1) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-गोड़पाल-घोठिया-आमाडुला मार्ग के लिए कि.मी. 3/2 पर निर्माणाधीन सूखा नाला पर पुल एवं पहुंचमार्ग हेतु.

(2) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनु-विभागीय अधिकारी (राजस्व) बालोद के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 15 मार्च 2004

क्रमांक 372/सन् 2004.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूवी के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-दुर्ग

(ख) तहसील-गुण्डरदेही

(ग) नगर/ग्राम-बघेली

(घ) लगभग क्षेत्रफल-25.21 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
625	2.01
626	0.84
627	0.90
628/2	0.28
628/1	0.23
630/3	0.14
630/1	0.02
630/2	0.46
629	0.16
631	0.32
633/2	0.84
634	0.58
621	2.65
329	0.61
377	1.20
638	0.34
644	0.26
639	0.39
645	0.29
646	0.62
649	0.61
653	1.00
652/1	0.60
651	0.50
595/3	1.02
595/1	0.42
382/1	0.05
382/3	0.55
650	0.61
613	1.01
612	0.17
617	0.22
611	0.19
618	0.24
610	0.16
614	0.42
600	0.19
603	0.19
601	0.10
602	0.17
380	0.24
311	0.07
604	0.06
598	0.04
606	0.08
312	0.09
607	0.32
599	0.11
608	0.13
609	0.43
378	0.79
379	0.65
81	0.02
82	0.03
85/1	0.03
85/2	0.03
117	0.05
119	0.05
120	0.04
121/3	0.03
115	0.13
326/2	0.14

	(1)	(2)
	327	0.06
	332	0.03
योग	64	25.21

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 16 मार्च 2004

क्रमांक 376/सन् 2004.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-गुण्डरदेही
- (ग) नगर/ग्राम-डंगनिया
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.89 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
	698	0.11
	699	0.38
	700	0.44
	701	0.21
	702	0.21
	703	0.07
	704	0.22
	706	0.15
योग	8	1.89

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,

जवाहर श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 4 मार्च 2004

क्रमांक/क/भू-अर्जन/43 अ/82, 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायपुर
- (ख) तहसील-कसडोल
- (ग) नगर/ग्राम-पवनी
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.794 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
3768/1 क	0.044
3768/2	0.080
3760/1	0.044
286/1, 2	0.052
	0.096
3760/2	0.052
3760/3, 3760/4	0.140
3760/5	0.121
3759/2	0.020
3761	0.060
3729	0.012
3731/1	0.068
3731/2	0.020
3731/4	0.202
3353, 3358/2	0.144
	0.132
	0.276
3354/1	0.044
3354/2	0.048
3350/2	0.052

(1)	(2)
3358/1	0.132
3358/4	0.096
	0.228
3358	0.056
3337	0.024
3335	0.012
3332	0.020
3331/4	0.016
3331/3	0.016
3331/2	0.048
3299	0.020
3331/1	0.016
3314	0.108
3313	0.080
3312/1	0.012
3301/1	0.072
3302/1	0.020
3302/2	0.020
3303/2	0.044
3277/2	0.012
3272/6	0.051
3272/1	0.040
3272/2	0.052
2863/1	0.060
3273/1	0.056
	0.116
3269/1	0.016
3267/1	0.004
3267/2	0.040
2858	0.028
2860	0.008
2862	0.020
2863/2	0.052
2520/1	0.009
2520/2	0.095
2525/1	0.024
2525/2	0.020
2526	0.052
2524/1	0.028
2524/2	0.024
2522	0.032
2523/1	0.045
2523/2	0.012
2872	0.012

(1)	(2)	
3369/1	0.232	शा. भू.
2788/1	0.077	
2519	0.036	
10/1	0.016	
10/2	0.020	
47/3	0.020	
	0.040	
11	0.012	
12	0.020	
14/1	0.012	
14/2	0.012	
19/1	0.060	
19/2	0.004	
48	0.052	
	0.056	
19/3	0.060	
21	0.032	
241/2	0.056	
2420/2	0.036	
	0.124	
22/1	0.052	
23/1	0.012	
23/3	0.076	
25	0.056	
26	0.052	
51	0.048	
2491	0.008	
	0.108	
27/1	0.012	
27/2	0.024	
28/1	0.024	
28/2	0.016	
29/2	0.040	
32/1	0.036	
32/2	0.044	
32/4	0.032	
33/2	0.032	
34/1	0.052	
35	0.032	
42	0.020	
43	0.008	
44/1	0.024	
45	0.052	

(1)	(2)
47/2	0.016
49/1	0.004
49/2	0.028
50/2	0.024
	0.052
50/1	0.024
505/2	0.008
505/1	0.008
504	0.070
470	0.028
	0.098
503/1	0.044
503/2	0.020
	0.064
501	0.024
94	0.020
468/1	0.044
468/2	0.044
500/1	0.024
500/3	0.036
500/4	0.004
436/2	0.024
	0.064
471/1	0.100
471/2	0.020
469/1	0.056
469/2	0.056
430/1	0.080
430/6	0.100
430/5	0.064
431	0.020
	0.084
428/2	0.052
432	0.028
438	0.036
	0.064
436/1	0.032
439/1	0.076
2483/1	0.052
2479/2	0.072
2480/2	0.037
	0.109

(1)	(2)
2478/1	0.052
2478/2	0.036
2478/3	0.004
2490	0.024
2492/1	0.032
2492/2	0.008
2495/1	0.020
2495/2	0.024
2496/1	0.044
2496/2	0.045
2435/1	0.117
2435/2	0.032
2436/1	0.016
2418/3	0.048
2420/1	0.024
2080/1	0.032
2080/2	0.032
2080/3	0.028
2079/2	0.052
2078/3	0.060
2078/2	0.008
2083/1	0.004
2409/6	0.028
2498/6	0.020
2498/1	0.024
	0.044
2498/2	0.013
506	0.008
योग 169	6.794

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि आवश्यकता है-लोवर सोनिया जलाशय के मुख्य नहर निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बिलाईगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 4 मार्च 2004

क्रमांक/क/भू-अर्जन/44/अ/82, 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायपुर
(ख) तहसील-कसडोल
(ग) नगर/ग्राम-छिर्रा
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.233 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	150/3	0.024
	150/1	0.072
	151/8	0.048
	151/2	0.089
योग	4	0.233

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है-लोवर सोनिया जलाशय के मुख्य नहर निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बिलाईगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 4 मार्च 2004

क्रमांक/क/भू-अर्जन/45 अ/82, 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1). में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायपुर
(ख) तहसील-कसडोल
(ग) नगर/ग्राम-रमतला
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.373 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	138/14	0.041
	138/15	0.041
	31/777	0.008
	138/1 क	0.283
योग	4	0.373

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है-लोवर सोनिया जलाशय के खुरसुला माइनर निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बिलाईगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

रायपुर, दिनांक 4 मार्च 2004

क्रमांक/क/भू-अर्जन/46/अ/82, 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायपुर
(ख) तहसील-कसडोल
(ग) नगर/ग्राम-खुरसुला
(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.673 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
877/1	0.032
877/3	0.065
877/5	0.028
794/1	0.045
918/1	0.005
877/7	0.012
877/8	0.016
876/3	0.028
876/5	0.036
871/2	0.020
877/2	0.005
877/9	0.028
872/2	0.036
876/1, 2, 4	0.036
877/10	0.016
877/11	0.012
877/12	0.012
877/4	0.012
878	0.089
873	0.028
872/3	0.008
869	0.077
870	0.032
871/1	0.020
821/2	0.028
859	0.041
856	0.069
851	0.032
837	0.061
809	0.057
852	0.024
858	0.045
808	0.053
839	0.045
825	0.041
795	0.024
798	0.036
848/2	0.069
848/3	0.016
836	0.065
838	0.024
840/3	0.020
841	0.024
822	0.028
823	0.020
824	0.032
796	0.032
794/2	0.061
797	0.028
योग 49	1.673

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है-लोवर सोनिया जलाशय के खुरसुला माइनर निर्माण कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, बिलाईगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विवेक देवांगन, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.